भोपाल, शुक्रवार
21 फरवरी 2025

दैनिक
मध्य स्वर्णिम

सच्ची ख़बर, सबकी ख़बर...

वर्ष - 12 ▪ अंक-176 ▪ पृष्ठ-08 ▪ मूल्य-₹02

यह क्यूआर कोड स्केन कर हमें पाएं अपने स्मार्ट फोन पर...
Scan QR Code to Read ePaper
www.madhyaswarnim.com

लूटे हथियार एक सप्ताह में वापस करें :भल्ला

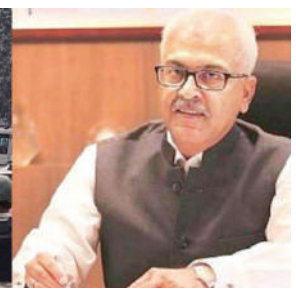

इम्फाल। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने हिंसाग्रस्त राज्य के लोगों से सात दिनों के भीतर लूटे गए और अवैध रूप से रखे गए हथियारों को स्वेच्छा से सौंपने का आग्रह किया है। राज्यपाल ने आश्वासन दिया कि इस अवधि के दौरान हथियार छोड़ने वालों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि सात दिनों की अवधि समाप्त होने के बाद सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राज्यपाल की ओर से जारी बयान में कहा गया, शांति और सांप्रदायिक सद्भाव को प्रभावित करने वाली दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के कारण बीचे बीस महीनों से घाटी और पहाड़ी दोनों में मणिपुर के लोगों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी समुदायों को शत्रुता को समाप्त करने और समाज में शांति-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आगे आना चाहिए, ताकि लोग अपनी रोजमर्रा की गतिविधियों में लौट सकें।

इसको लेकर मैं ईमानदारी से सभी समुदायों के लोगों, खासकर घाटी और पहाड़ी के युवाओं से आग्रह करता हूं कि वे स्वेच्छा से आगे आएं और लूटे गए और अवैध रूप से रखे गए हथियारों, गोला-बारूद को नजदीकी थानों/चौकियों या सुरक्षा बलों के शिविर में आज से अगले सात दिनों के भीतर सौंप दें।

रेखा गुप्ता बनीं दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री

नई दिल्ली। दिल्ली में आज से रेखा सरकार का आगाज हो चुका है। रेखा गुप्ता (50वर्ष) ने गुरुवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। रामलीला मैदान में आयोजित भव्य समारोह में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इस मौके पर गृहमंत्री अमित शाह समेत बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और एनडीए के वरिष्ठ नेता एवं अनेक राज्यों के मुख्यमंत्री व उप मुख्यमंत्री मौजूद रहे।

गौरतलब है कि रेखा गुप्ता दिल्ली की 9वीं और चौथी महिला मुख्यमंत्री बनी हैं। उनसे पहले सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित और आतिशी इस पद पर रह चुकी हैं। बीजेपी ने 27 साल बाद दिल्ली की सत्ता में वापसी की है, जिससे यह पार्टी के लिए एक ऐतिहासिक अवसर बन गया।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ उनकी कैबिनेट के अन्य मंत्रियों ने भी शपथ ग्रहण की है। मंत्री पद की शपथ ग्रहण करने वालों में प्रवेश वर्मा, आशीष सूद, मनजिंदर सिंह सिरसा, रविंद्र इंद्राज, कपिल मिश्रा और पंकज सिंह के नाम शामिल हैं।

दिल्ली कैबिनेट की पहली बैठक में फैसला, आयुष्मान योजना को मंजूरी, सीएजी रिपोर्ट होगी पेश

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को दिल्ली सचिवालय में औपचारिक रूप से मुख्यमंत्री के रूप में पदभार संभाला। इससे पहले रेखा गुप्ता ने रामलीला मैदान में सीएम पद की शपथ ली। इसके बाद पूरी कैबिनेट के साथ सचिवालय गईं। फिर शाम को यमुना आरती में शामिल हुईं। इसके बाद रात को अपनी कैबिनेट के साथ बैठक की। मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद सीएम रेखा गुप्ता ने पहला बयान जारी कर कहा कि विकसित दिल्ली का जो मिशन है उसे पूरा करने के लिए लगातार काम किया जाएगा। इसमें एक दिन भी व्यर्थ नहीं होगा। दिल्ली से किया गया एक-एक कमिटमेंट पूरा किया जाएगा। भाजपा सरकार की पहली कैबिनेट में सीएजी की रिपोर्ट को पास किया गया। अब इसे सदन के पटल पर रखा जाएगा। आम आदमी पार्टी सरकार के दौरान सीएजी की रिपोर्ट को सदन में पेश नहीं किया गया था। इस पर पीएम मोदी ने कहा भी था कि भाजपा की सरकार बनते ही सदन में सबसे पहले सीएजी रिपोर्ट पेश की जाएगी।

@खबर संक्षेप

मोदी के रहते मुमकिन नहीं है 370 की वापसी: सीएम अब्दुल्ला

नई दिल्ली। जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के भले ही केंद्र सरकार से अच्छे संबंध बताए जाते हैं लेकिन मौका आने पर उमर अपनी बात कहने से नहीं चूकते हैं। हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान उन्होंने कहा कि यदि मोदी सरकार द्वारा किए गए वादे पूरे नहीं होते हैं तो उनकी सरकार केंद्र के साथ अपने संबंधों को लेकर पुनर्मूल्यांकन कर सकती है। साथ ही उन्होंने यह भी साफ शब्दों में कहा है कि पीएम मोदी के रहते जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल-370 की वापसी नहीं हो सकती है। दरअसल एक इंटरव्यू के दौरान सीएम उमर अब्दुल्ला से जब यह पूछा गया कि जब तक नरेंद्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री हैं, क्या जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 के बहाल होने की कोई संभावना है? उमर अब्दुल्ला ने साफ शब्दों में कहा कि नहीं, इसकी कोई संभावना नहीं है। उमर अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के प्रति अपनी दृष्टिकोण को लेकर उठाए गए सवालों का भी जवाब दिया।

ढाका से दुबई के लिए उड़ी फ्लाइट में आई तकनीकी खराबी, नागपुर में कराई लैंडिंग

नागपुर। ढाका से दुबई जा रहे बांग्लादेशी एयरलाइंस के विमान में तकनीकी खराबी आने से महाराष्ट्र के नागपुर एयरपोर्ट पर आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस विमान में 396 यात्री और 12 क्रू मेंबर सवार थे। गुरुवार को अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक इस मामले को लेकर नागपुर हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने बताया कि तकनीकी समस्या के चलते बुधवार आधी रात को विमान का मार्ग बदल दिया गया था और इसे नागपुर में लैंड करवाया गया। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि बांग्लादेश एयरलाइंस के इस विमान में 396 यात्री और 12 क्रू मेंबर शामिल थे। आपातकालीन लैंडिंग के बाद सभी यात्रियों को कंपनी के दूसरे विमान से उनकी मंजिल तक पहुंचाया। बांग्लादेश एयरलाइंस का यह विमान ढाका से दुबई जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही इसमें तकनीकी खराबी की सूचना मिली। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विमान की आपातकालीन लैंडिंग करवाई गई।

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का इन्तजार खत्म आज मिलेगी लैपटॉप की राशि

89 हजार 700 से अधिक विद्यार्थियों के खाते में सीधे पहुँचेगी 224 करोड़ रूपये की राशि

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार 21 फरवरी को प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के बैंक खाते में लैपटॉप की राशि अंतरित करेंगे। राज्य स्तरीय कार्यक्रम प्रात: 10ः30 बजे भोपाल के आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी के स्वर्ण जयंती सभागार में होगा।

स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की परीक्षा वर्ष 2023-24 में कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक से उत्तीर्ण होने वाले 89 हजार 710 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सिंगल क्लिक से उनके बैंक खातों में 224 करोड़ रूपये की राशि भी अंतरित करेंगे। ये विद्यार्थी वर्तमान में उच्च शिक्षा संस्थान में अध्ययन कर रहे हैं। प्रत्येक प्रतिभाशाली विद्यार्थी को 25 हजार रुपये की राशि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा लैपटॉप खरीदने के लिये दी जा रही है।

जैविक खेती पर कार्यशाला का शुभारंभ आज

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव राज्य कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण केन्द्र बरखेड़ी कलां, भोपाल में जैविक खेती पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ करेंगे। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना भी उपस्थित रहेंगे।वर्तमान खेती में रासायनिक उर्वरकों, खरपतवार नाशकों एवं कीटनाशकों के बढ़ते उपयोग के कारण भूमि एवं वातावरण में हानिकारक तत्वों की मात्रा में बढ़ोतरी हो रही है, जिसके कारण पर्यावरण, मृदा उर्वरता तथा मानव स्वाशालास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। पर्यावरण और उपभोक्ता के स्वास्थ्य की रक्षा के लिये कृषि में रासायनिक उर्वरकों तथा कीटनाशकों के अंधाधुंध प्रयोग को हतोत्साहित करने के लिये जैविक खेती को बढ़ावा दिया जाना आवश्यक है। इस उद्देश्य से कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला में जैविक कपास, फल एवं सब्जियां एवं अन्य फसलों के लिए जैविक खेती पद्धति एवं उत्पादों की मूल्य श्रृंखला विकसित करने पर विस्तृत चर्चा की जायेगी। साथ ही प्रदेश के विकास के लिए रणनीति तैयार की जायेगी। कार्यशाला में केन्द्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, वैज्ञानिक, संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, एफ.पी.ओ. एवं जैविक खेती के क्षेत्र में कार्य करने वाली संस्थाओं के प्रतिनिधि भाग लेंगे।प्रदेश में 11 एग्रो क्लाईमेटिक जोन में विभिन्न फसलों की व्यापक क्षेत्र में खेती की जा रही है। पर्यावरण संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य, स्वस्थ खाद्य उत्पाद एवं बाजार मांग के दृष्टिकोण से व्यापक क्षेत्र में प्राकृतिक एवं जैविक खेती की संभावनाएं हैं। प्राकृतिक एवं जैविक खेती के विभिन्न हितधारकों के साथ विचार-विमर्श कर व्यवहारिक कार्ययोजना, नीति तैयार करने, कॉमन संस्थात्मक प्लेटफार्म विकसित करने और प्रदेश में प्राकृतिक एवं जैविक परिदृश्य के विकास का मार्ग प्रशस्त करने के लिये उपयोगी होगी।

एसओयूएल लीडरशिप कॉन्क्लेव के पहले संस्करण का कल उद्घाटन करेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 फरवरी को सुबह करीब 11 बजे नई दिल्ली के भारत मंडपम में एसओयूएल लीडरशिप कॉन्क्लेव के पहले संस्करण का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर वह उपस्थित लोगों को संबोधित भी करेंगे। कार्यक्रम में भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य भाषण देंगे। दो दिवसीय एसओयूएल लीडरशिप कॉन्क्लेव एक प्रमुख मंच के रूप में काम करेगा, जहां राजनीति, खेल, कला और मीडिया, आध्यात्मिक दुनिया, सार्वजनिक नीति, व्यवसाय और सामाजिक क्षेत्र जैसे विविध क्षेत्रों के नेता अपनी प्रेरक जीवन यात्राएं साझा करेंगे और नेतृत्व से संबंधित पहलुओं पर चर्चा करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर लिखा, मैं 21 और 22 फरवरी को नई दिल्ली में एसओयूएल लीडरशिप कॉन्क्लेव आयोजित करने के लिए स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप को बधाई देता हूं। यह मंच नेतृत्व से संबंधित पहलुओं पर चर्चा करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को एक साथ लाता है। वक्ता अपनी प्रेरणादायी जीवन यात्रा और प्रमुख मुद्दों पर अपने दृष्टिकोण साझा करेंगे, जो विशेष रूप से युवा दर्शकों को आकर्षित करेगा। मैं भी शुक्रवार 21 फरवरी को सम्मेलन में शामिल होने जा रहा हूं।

संसदीय क्षेत्र रायबरेली पहुंचे राहुल गांधी, हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और रायबरेली से सांसद राहुल गांधी गुरुवार को दो दिवसीय दौरे पर रायबरेली पहुंचे। लखनऊ से सड़क मार्ग से यात्रा कर राहुल गांधी सबसे पहले चुरुवा सीमा पर मौजूद हनुमान मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने पूजा-अर्चना की। मंदिर में कुछ समय बिताने के बाद वे बछरावां के लिए रवाना हो गए।

इस मौके पर विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनका माला पहनाकर स्वागत किया। राहुल गांधी ने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर अपनी पकड़ बनाए रखने का आह्वान कर कहा कि भाजपा सरकार असली मुद्दों से लोगों का ध्यान भटका रही है। उन्होंने महंगाई को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधकर कहा, महंगाई बहुत बढ़ गई है और भाजपा केवल पूंजीपतियों को बढ़ावा दे रही है। वहीं, भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि उन्हें नजरबंद कर दिया गया। भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रवेश वर्मा ने आरोप लगाया, 25 कार्यकर्ताओं के साथ हमें नगर पंचायत कार्यालय में बंद कर दिया गया है। सांसद की जिम्मेदारी है कि वह यहां रहें, लोगों की समस्याएं सुनें और उनका समाधान करें, क्योंकि रायबरेली की जनता ने उन्हें अपना प्रतिनिधि चुना है।

दो सैकड़ा से अधिक गिद्धों की आबादी बांधवगढ़ में

उमरिया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, जो बाघों के लिए विश्व प्रसिद्ध है, अब गिद्धों की बढ़ती आबादी के लिए भी चर्चा में है। पर्यावरण संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले गिद्धों की तीन दिवसीय गणना 17 फरवरी से शुरू होकर 19 फरवरी को पूरी हुई। इस गणना में कुल 267 गिद्धों की उपस्थिति दर्ज की गई, जिनमें 245 वयस्क और 22 अवयस्क गिद्ध शामिल हैं।गणना के अनुसार, बांधवगढ़ के विभिन्न परिक्षेत्रों में गिद्ध देखे गए, लेकिन सबसे ज्यादा संख्या ताला जोन में पाई गई। यह इलाका अपने घने वन क्षेत्र और पहाड़ियों की वजह से गिद्धों के लिए आदर्श निवास स्थल बन गया है।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक अनुपम सहाय ने बताया कि प्रशिक्षित टीम ने कठिन परिश्रम और सावधानीपूर्वक गणना करते हुए पहले दिन 230, दूसरे दिन 305 और तीसरे दिन 267 गिद्धों को देखा। तीनों दिन के औसत के आधार पर गिद्धों की कुल संख्या 267 मानी गई है।गिद्ध पर्यावरण को साफ रखने और पोषक तत्वों के चक्रण में अहम भूमिका निभाते हैं। वे मृत जानवरों को खाकर बीमारियों के प्रसार को रोकते हैं, जिससे वन्यजीवों और पशुओं के बीच संक्रमण का खतरा कम होता है।

इसी वजह से बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व प्रबंधन द्वारा गिद्धों के संरक्षण और संवर्द्धन के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।गिद्धों की घटती संख्या को देखते हुए बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में यह गणना और संरक्षण अभियान बेहद महत्वपूर्ण है। इससे न केवल गिद्धों की संख्या को समझने में मदद मिलेगी, बल्कि इनके संरक्षण की दिशा में ठोस योजनाएं भी बनाई जा सकेंगी।

धर्म | **संगम आने वाले सभी रास्तों पर 8 से 10 किमी तक श्रद्धालुओं की भीड़**

महाकुंभ में अब तक 57.08 करोड़ श्रद्धालु कर चुके स्नान

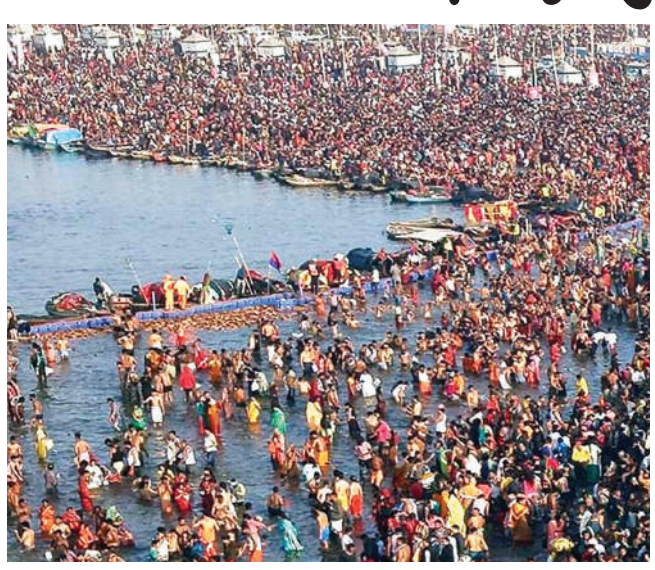

प्रयागराज। प्रयागराज महाकुंभ का गुरुवार को 39वां दिन है। मेला खत्म होने में 6 दिन और शेष हैं। सुबह 10 बजे तक 51 लाख 80 हजार श्रद्धालु डुबकी लगा चुके हैं। 13 जनवरी से अब तक 57.08 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। गुरुवार को भी महाकुंभ में भीड़ है। संगम तट पर भीड़ न हो, इसलिए पुलिस श्रद्धालुओं से स्नान करके वहां से हटने की अपील कर रही है।

गुरुवार सुबह से भी संगम आने वाले सभी रास्तों पर 8 से 10 किमी तक श्रद्धालुओं की भीड़ है। शहर के बाहर की पार्किंग में ही वाहनों को रोका जा रहा है। वहां से शटल बस और ई-रिक्शा से श्रद्धालु महाकुंभ पहुंच रहे हैं। प्रयागराज प्रशासन का अनुमान है कि शुक्रवार से महाकुंभ में भीड़ और ज्यादा बढ़ेगी। क्योंकि, यह महाकुंभ का आखिरी वीकेंड है। 26 फरवरी को महाशिवरात्रि स्नान के साथ मेला खत्म हो जाएगा। कुंभ मेला की तारीख बढ़ाने की अफवाहों को डीएम प्रयागराज रविंद्र मंदार ने खारिज कर दिया है। इस बार 45 दिन का आयोजन है। इसके बाद तारीख बढ़ने की संभावना बहुत कम है।

इधर, महाकुंभ से जुड़ी अफवाहों और फर्जी पोस्ट को लेकर प्रयागराज पुलिस ने अब तक 101 सोशल मीडिया अकाउंट पर एफआईआर दर्ज की है।भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या, केंद्रीय मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु, अभिनेत्री निमरत कौर, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी, केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी की पत्नी सीमा नकवी ने संगम में स्नान किया। इसके अलावा, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भी संगम पहुंचीं।

नई दिल्ली वाराणसी और अयोध्या स्टेशनों पर बनेंगे स्थायी होल्डिंग एरिया

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आरआईटीईएस को सौंपा काम

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि रेल इंडिया तकनीकी और आर्थिक सेवा (आरआईटीईएस) को नई दिल्ली, आनंद विहार, गाजियाबाद, वाराणसी और अयोध्या में स्थायी होल्डिंग एरिया डिजाइन करने का काम सौंपा गया है। दरअसल, रेलवे मंत्री वैष्णव ने रेल इंडिया तकनीकी और आर्थिक सेवा के अध्यक्ष राहुल मित्तल के साथ बैठक की, जिसमें रेल इंडिया तकनीकी और आर्थिक सेवा टीम को स्थायी होल्डिंग एरिया डिजाइन करने का काम दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्थायी होल्डिंग एरिया डिजाइन का मॉडल तैयार होने के बाद इसे 60 हाई डेंसिटी वाले रेलवे स्टेशनों में इसका विस्तार किया जाएगा। इन स्टेशनों पर सभी अनधिकृत प्रवेश बिंदुओं को बंद किया जाएगा। ये होल्डिंग क्षेत्र अमृत स्टेशनों के पुनर्विकास कार्यक्रम के साथ एकीकृत किए जाएंगे। बता दें पीएम मोदी ने अमृत भारत स्टेशन योजना की शुरुआत की थी। इस योजना के तहत स्टेशनों पर यात्रियों के लिए स्वच्छता, मुफ्त वाई-फाई, दिव्यांगजनों के लिए विशेष इंतजाम, स्थानीय उत्पादों के कियोस्क और पर्यावरण-अनुकूल जैसी सुविधाएं मिलेंगी। पीएम मोदी ने 2023 में देशभर के 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखी थी।

बुरा न मानों TRENDING है...

शान ओ शौकत के लिए शासकीय निधि का दुरुपयोग

मध्य प्रदेश कैडर के एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी ने अपनी शान ओ शौकत के लिए सरकारी निधि का जमकर दुरुपयोग किया है। साहब जल्द ही रिटायर होने वाले हैं। रिटायरमेंट के पहले साहब ने अपने सरकारी आवास में 3 करोड़ रुपए से अधिक के निर्माण कार्य करवाए हैं। जिसको लेकर साहब प्रशानिक गलियारों में चर्चा का केंद्र बिंदु बने हुए हैं। अख्यार ने बताया कि साहब तो ठीक है लेकिन मैडम साहब से भी 2 कदम आगे हैं। मैडम ने इंटीरियर का सारा सामान बदलवा दिया। इतना ही नहीं काम पूरा होने के बाद मैडम को कलर और कुछ डिजाइन पसंद नहीं आई तो उन्होंने किए हुए काम को तुड़वा दिया और फिर से अलग डिजाइन में काम करवाया। मैडम का रौब देखकर काम करने वाले ठेकेदार भी चिंता में है। बताया जाता है कि साहब कुछ ही समय में रिटायर होने वाले हैं।

● अख्यार

देश का दिल लिख रहा विकास का नया अध्याय

इन्वेस्ट मध्यप्रदेश
अनंत संभावनाएँ

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट
24 25 फरवरी 2025, भोपाल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कर-कमलों से शुभारंभ

ग्लोबल इन्वेस्टर समिट 2025

स्वर्णिम मध्यप्रदेश के माथे पर विकास का चंदन

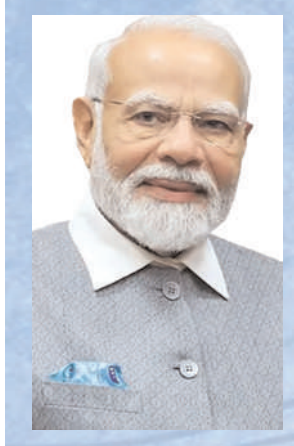

'मध्य प्रदेश भारत के विकास गाथा में सबसे आगे खड़ा है, जिसने अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है।मध्यप्रदेश अब प्रगति का प्रतीक बन गया है। व्यापार करने में आसानी, निवेशक - अनुकूल नीतियों और सतत विकास पर अपने जोर के साथ राज्य ने एक ऐसा सक्षम वातावरण बनाया है, जहां नवाचार ,उद्योग और बुनियादी ढांचा पनपता है। जैसे-जैसे मध्य प्रदेश अपनी परिवर्तनकारी यात्रा पर आगे बढ़ रहा है ,यह भारत के आर्थिक भविष्य को आकार देने वाली एक महत्वपूर्ण शक्ति और वैश्विक निवेशकों के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में उभरने के लिए तैयार है।'

श्री नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री ,भारत

मध्यप्रदेश में हर सेक्टर में निवेश की अपार संभावनाएं मौजूद

मध्यप्रदेश में हर सेक्टर में निवेश की अपार संभावनाएं मौजूद है। यहां नर्मदा, ताप्ती आदि नदियों की अपार जल राशि है, निरंतर बिजली उपलब्ध है, वन संपदा है, सड़कों, रेलवे और वायु मार्ग का अच्छा नेटवर्क है और उद्योगों को बड़ी रियायतें हैं। आगामी 24 एवं 25 फरवरी को होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में झीलों, पहाड़ों और वन संपदा से युक्त सुंदर भोपाल शहर में आमंत्रित हैं ।मध्यप्रदेश में अधिक से अधिक निवेश करें और इन तारीखों को अविस्मरणीय बनाएं। हमारे देश के चमत्कारी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की 5वीं अर्थव्यवस्था के बाद अब तीसरी आर्थिक शक्ति बनने की ओर तेजी से अग्रसर हो रहा है। इस कार्य में निवेशकों का महत्वपूर्ण योगदान है। भारत प्राकृतिक संसाधनों के साथ मानव संसाधन में भी आगे है। हम उद्योगों को बढ़ाकर ही आगे बढ़ सकते हैं। हमारे प्रधानमंत्री श्री मोदी विश्व भर का भ्रमण कर भारत की प्रगति के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में पूरी दुनिया में भारत का मान-सम्मान बढ़ा है ।मध्यप्रदेश की उद्योग एवं निवेश नीति निवेशकों के लिए बहुत फ्रेंडली है। हम स्टार्ट-अप्स को विशेष महत्व दे रहे हैं। उद्योगों में विभिन्न प्रकार की रियासतों के साथ ही इस बात का सर्वाधिक ध्यान रखा जाता है कि उनके सारे काम समय से हो जाएं। मध्यप्रदेश में जमीन दिल्ली की तुलना में एक बटे 40 गुना और मुंबई की तुलना में एक बटे 100 गुना सस्ती है। मध्यप्रदेश में सभी सेक्टर में विशेष रूप से टेक्सटाइल के क्षेत्र में निवेश की असीमित संभावना है। हम टेक्सटाइल्स पर 200 प्रतिशत इंसेंटिव देते हैं, हमारा कॉटन उच्च गुणवत्ता का है। मेरी जापान यात्रा के दौरान यूनिक्लो कंपनी के मलिक ने भी इस बात का उल्लेख किया था ।एक समय लोग उद्योगपतियों से मिलने में झिझक महसूस करते थे, लेकिन हमने उस धारणा को बदला है। हम निरंतर उद्योगपतियों, निवेशकों से संवाद कर रहे हैं। प्रदेश में छोटे-छोटे स्थान पर रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित की गई हैं। समाज में उद्योगपतियों का महत्वपूर्ण स्थान है। उद्योगों से रोजगार उत्पन्न होते हैं और रोजगार से लोगों की आजीविका चलती है। वे एक तरह से उद्योगपति समाज के पालक हैं ।आज दुनिया कह रही है कि हम बुद्ध के रास्ते पर चलकर युद्ध से विमुक्त होंगे। महात्मा बुद्ध हमारे ही देश के थे। भारत ने ही सारे विश्व को शांति और सर्व कल्याण का संदेश दिया है। हम शांति और विकास के पक्षधर हैं। भोपाल में 24-25 फरवरी को होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का कर्टेन रेज़र केवल एक औपचारिक कार्यक्रम न होकर संभावनाओं से भरपूर, सशक्त और समृद्ध मध्यप्रदेश की एक झलक थी। हमारे निवेश के 3डी मॉडल को आज दुनिया भर के उद्योग जगत ने सराहा है। यह मॉडल निवेशकों की ड्राइव, प्रदेश के डेवलपमेंट और हमारी डिटरमिनेशन का प्रतीक है। हम निवेशकों के साथ एक मजबूत साझेदारी बनाकर मध्यप्रदेश को नवाचार और औद्योगिक क्रांति का केंद्र बनाने की दिशा में निरंतर कार्यरत रहेंगे। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि मध्यप्रदेश आगे बढ़ते हुए एक इंडस्ट्री रेडी स्टेट बन रहा है। हमने सभी सेक्टर के उद्योगपतियों को आमंत्रित किया है।

'मध्यप्रदेश तेजी से औद्योगिक हब के रूप में उभर रहा है। निवेश-अनुकूल नीतियां, मजबूत बुनियादी ढांचा और नई औद्योगिक नीति इसे निवेशकों के लिए आकर्षक बना रहे हैं। जीआईएस 2025 में विभिन्न सेक्टर्स के उद्योगपतियों, विशेषज्ञों और निवेशकों की भागीदारी से यह स्पष्ट होता है कि मध्यप्रदेश अब केवल एक औद्योगिक प्रदेश नहीं, बल्कि वैश्विक निवेश का केंद्र बनता जा रहा है।'

डॉ. मोहन यादव ,मुख्यमंत्री
मध्यप्रदेश

निवेश की अनंत संभावनाओं के साथ सशक्त नेतृत्व और उद्योगफ्रेंडली आसान नीतियां

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 में उद्योग जगत के दिग्गज, नीति निर्माता, निवेशक और विशेषज्ञ मध्यप्रदेश में औद्योगिक निवेश और आर्थिक विकास की संभावनाओं पर मंथन करने के लिए एक मंच पर जुटेंगे। राज्य सरकार द्वारा निवेशकों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में नए अवसर उपलब्ध कराये जा रहे हैं। मध्यप्रदेश में टेक्सटाइल, मैन्युफैक्चरिंग, नवकरणीय ऊर्जा, हेल्थ केयर, खाद्य प्र-संस्करण, स्टार्ट-अप्स, वित्तीय सेवाओं और पर्यटन आदि क्षेत्रों में व्यापक संभावनाएं हैं। समिट में मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास को गति देने और संभावनाओं और अवसरों का लाभ उठाने के लिये विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों के दिग्गज उद्योगपति अपने अनुभव, विचार और रणनीतियां साझा करेंगे।

औद्योगिक नीति एवं शासन स्तर पर प्रयास

समिट में वस्त्र मंत्रालय की सचिव नीलम शमी राव, फार्मा विभाग के सचिव अमित अग्रवाल, खाद्य प्र-संस्करण उद्योग मंत्रालय के सचिव डी. वी. गनवीर, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव, खनिज विभाग के प्रमुख सचिव उमाकांत उमराव आदि अधिकारी शामिल हो रहे हैं। इनके साथ ही जीएसआई के अपर महानिदेशक धीरज कुमार, राष्ट्रीय शहरी मामलों के संस्थान के निदेशक हितेश वैद्य और अन्य विशेषज्ञ भी मध्यप्रदेश में उद्योगों के विस्तार और निवेश की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे।

टेक्सटाइल और मैन्युफैक्चरिंग

मध्यप्रदेश टेक्सटाइल और मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में तेजी से उभर रहा है। राज्य की अनुकूल औद्योगिक नीति के कारण कई बड़ी कंपनियां यहां निवेश को प्राथमिकता दे रही हैं। समिट में टीडब्ल्यूई ओबीटी प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ इंगो सोलर, एईपीसी के महासचिव मिथिलेश्वर ठाकुर, आरएसडब्ल्यूएम लिमिटेड के चेयरमैन रिजू झुनझुनवाला, सेखानी ग्रुप ऑफ कंपनीज के निदेशक रीनिश सेखानी और प्रतिभा सिंटेक्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्रेयस्कर चौधरी टेक्सटाइल क्षेत्र में निवेश और विस्तार की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे।

हेल्थ केयर और फार्मा सेक्टर

मध्यप्रदेश फार्मा और हेल्थ केयर क्षेत्र में सहजना एंड मेडिकल टेक्नोलॉजीज के उपाध्यक्ष राजीव छिब्बर, इन्वॉल्यूशन हेल्थकेयर के प्रबंध निदेशक श्री गौरव अग्रवाल, बायो-मेरियू इंडिया के प्रमुख बिवाश चक्रवर्ती, सन फार्मास्युटिकल्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड के ग्लोबल हेड ऑपरेशंस राहुल अवस्थी और आईपीसीए लेबोरेट्रीज के प्रबंध निदेशक अजीत कुमार जैन विस्तार की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे।

नवकरणीय ऊर्जा और ग्रीन टेक्नोलॉजी

ग्रीन एनर्जी और सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में मध्यप्रदेश निवेशकों के लिए आकर्षक गंतव्य बन रहा है। टाटा पॉवर के श्री दीपेश नंदा, ओ-2 पॉवर के पराग शर्मा, अवाडा एनर्जी के विनीत मित्तल, रिन्यू पॉवर के सुमंत सिन्हा, जिंदल के अमित मित्तल, वारी एनर्जी के पंकज दोशी, ग्रीनको के अनिल कुमार चेलमुनशेट्टी और एसईसीआई के चेयरमैन रामेश्वर गुप्ता जैसे प्रमुख निवेशक राज्य में नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में नए अवसरों पर चर्चा करेंगे।

जीआईएस में यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी और जापान पार्टनर कंट्री

INVEST MADHYA PRADESH
INFINITE POSSIBILITIES

ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट में यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी और जापान जैसे विकसित राष्ट्र पार्टनर कंट्री के रूप में शामिल हो रहे हैं। यह वैश्विक प्रतिनिधित्व मध्यप्रदेश में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और निवेश के बढ़ते अवसरों को दर्शाता है। नई दिल्ली में आयोजित कर्टेन रेज़र कार्यक्रम में राजदूतों, निवेशकों, नीति-निर्माताओं और विभिन्न सेक्टर के उद्योगपतियों से संपर्क कर मध्यप्रदेश के औद्योगिक विकास में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आग्रह किया गया। निवेशकों के लिए सहज प्रक्रियाएं, पारदर्शी नीति ढांचा और 24×7 सरकारी सहयोग सुनिश्चित किया जा रहा है ।राज्य सरकार द्वारा नवाचार, स्टार्ट-अप्स, और मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए नई नीतियाँ लाई जा रही है, प्रोत्साहन योजनाएं लागू की गई हैं। जीआईएस-2025 से मध्यप्रदेश निवेश अभियान के अगले सोपान में प्रवेश कर रहा है। राजा भोज की नगरी, झीलों की नगरी, प्रदेश की राजधानी भोपाल में 24-25 फ़रवरी को रहा ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का भव्य आयोजन किया जाएगा।

कृषि और खाद्य प्र-संस्करण

कृषि और खाद्य प्र-संस्करण उद्योग क्षेत्र में आईटीसी एग्री बिजनेस डिवीजन के गणेश के. सुंदररमन, पेप्सिको इंडिया के अनुकूल जोश, ग्रीन ग्रेन के प्रतीक शर्मा और आईएफसी वर्ल्ड बैंक के विजयसैकर कलवकोंडा निवेश और विकास की संभावनाओं पर विचार करेंगे।

स्टार्ट-अप्स और नवाचार

स्टार्ट-अप्स और इनोवेशन के क्षेत्र में मध्यप्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। इनोगुरु के संस्थापक एवं सीईओ वैदंत जैन, स्टार्ट-अप मिडिल ईस्ट के संस्थापक एवं सीईओ सिबी सुधाकरण, दुबई स्थित सैव की संस्थापक श्रीमती पूर्वी मुनोत, एम-कैफीन एवं हाइफेन के सह-संस्थापक तरुण शर्मा और स्किल्स के चांसलर सिद्धार्थ चतुर्वेदी जैसे युवा उद्यमी और निवेशक इस क्षेत्र में नए अवसरों पर मंथन करेंगे।

वित्त एवं निवेश

मध्यप्रदेश की निवेश-अनुकूल नीतियों और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सुधारों के कारण वित्तीय क्षेत्र में भी तेजी से वृद्धि हो रही है। बीम्स फिनटेक के संस्थापक अनुज गोलेचा, एक्वानिमिटी मैनेजमेंट सर्विसेज एलएलपी के प्रबंध भागीदार राजेश सहगल, आईटीआई ग्रोथ फंड के जनरल पार्टनर मोहित गुलाटी, यूनिकॉर्न इंडिया वेंचर्स के प्रबंध भागीदार भास्कर मजूमदार और इन एंड ब्रेड स्ट्रीट इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ अविनाश गुप्ता राज्य में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे।

पर्यटन , हॉस्पिटैलिटी

मध्यप्रदेश का पर्यटन और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर निवेशकों को आकर्षित कर रहा है। इस क्षेत्र में ताज होटल्स, रिसॉर्ट्स एंड पैलेसेस के सीईओ पुनीत चटवाल, वंडरला हॉलीडेज लिमिटेड के अध्यक्ष शिवदास एम और एडवेंचर टूरिज्म क्षेत्र के विशेषज्ञ अजीत बजाज शामिल हैं। बिग बॉस के वॉयस आर्टिस्ट विजय विक्रम सिंह भी समिट में विशेष प्रतिभागी के रूप में शामिल हो रहे हैं।

म.प्र. लॉजिस्टिक्स पॉलिसी-2025 प्रदेश की समृद्धि का नया अध्याय

नवाचार से विश्वस्तरीय बनेगा लॉजिस्टिक इन्फ्रास्ट्रक्चर

आपूर्ति होगी आसान, लागत पर लगेगी लगाम

प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और जीआईएस में जुट रहे निवेशकों को आकर्षित करने राज्य सरकार ने मध्यप्रदेश लॉजिस्टिक्स पॉलिसी-2025 जारी की है। पॉलिसी के नवाचारों से लॉजिस्टिक्स लागत में कमी लाकर आपूर्ति दक्षता को बेहतर बनाएगी। पॉलिसी का उद्देश्य प्रदेश में दक्ष, विश्वसनीय और रणनीतिक रूप से स्थाई विश्व स्तरीय लॉजिस्टिक इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास करना है, जिससे वर्ष 2030 तक लॉजिस्टिक लागत को वैश्विक मानकों के अनुरूप कम किया जा सके। इससे प्रदेश घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय व्यवसायों के लिए आकर्षक स्थल बन सकेगा।

मध्यप्रदेश लॉजिस्टिक्स पॉलिसी-2025 प्रदेश के समग्र आर्थिक विकास की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित होगी। यह नीति राज्य को लॉजिस्टिक्स का प्रमुख केंद्र बनाने, निवेशकों को आकर्षित करने और व्यापार को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाएगी। आगामी वर्षों में इससे मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊँचाइयाँ मिलेंगी। पॉलिसी के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए, राज्य सरकार पोर्ट टर्न अराउंड समय को कम करने पर ध्यान केन्द्रित कर रही है। इससे राज्य की आपूर्ति श्रृंखला की दक्षता को सुधारा जा सकेगा। साथ ही पीसीएस-वन प्रणाली से ई-डिलीवरी आदेशों को पेश किया जाएगा, जिससे लॉजिस्टिक्स प्रक्रियाओं को और अधिक सुव्यवस्थित और पारदर्शी बनाया जा सकेगा। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के लिए डेडिकेटेट लैब बनाई जाएंगी, जिससे उत्पाद सुरक्षा नियमों और गुणवत्ता मानकों खरे उतर सकेंगे। रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटीफिकेशन डोर (आरएफआईडी) जैसे तकनीकी नवाचार सुरक्षा को बढ़ाएंगे और माल की आवाजाही भी तेज होगी। साथ ही यूनिफाइड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफार्म के समावेश से लॉजिस्टिक्स मूल्य श्रृंखला में डेटा का आदान-प्रदान सरल और तेज बनेगा। पॉलिसी के नवाचारों में ग्रीन कार्ड योजना भी शामिल है, जो ऐसे लॉजिस्टिक्स संचालको को शीघ्र मंजूरी देगी, जो ग्रीन-ट्रांसपोर्टेशन को अपनाएंगे।

इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास से बढ़ेगी परिवहन दक्षता

अन्तर्देशीय और अंतर्राष्ट्रीय लॉजिस्टिक ट्रांस्पोर्टेशन के योग्य इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के लिए राज्य सरकार 20 से अधिक कार्गो टर्मिनल विकसित कर रही है। इससे लॉजिस्टिक्स नेटवर्क मजबूत होगा। ये टर्मिनल अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होंगे, जो माल ढुलाई को सुगम बनाएंगे। परिवहन लागत कम होने से व्यवसायियों का लाभ बढ़ेगा और प्रदेश में अधिक निवेश आकर्षित होगा।

निर्यात क्षमता बढ़ाने विकसित होगा विशेष इन्फ्रास्ट्रक्चर

मध्यप्रदेश लॉजिस्टिक्स पॉलिसी-2025 का एक महत्वपूर्ण अंग राज्य की निर्यात क्षमता को बढ़ाना भी है। इसके लिए पॉलिसी में निर्यात पार्क विकसित किए जाने के प्रावधान शामिल किये गए हैं। इन पार्कों के विकासक को स्टांप ड्यूटी और पंजीकरण शुल्क पर 100 प्रतिशत प्रतिपूर्ति प्राप्त होगी, साथ ही इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए अधिकतम 40 करोड़ रुपए अथवा प्रति एकड़ 50 प्रतिशत तक की वित्तीय सहायता भी दी जाएगी। निर्यातकों के लिए सामान्य प्र-संस्करण सुविधाओं की स्थापना को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके लिये परियोजना लागत की 25 प्रतिशत तक अथवा अधिकतम 25 करोड़ रुपए तक वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। पॉलिसी में ग्रीन इंडस्ट्रीलायजेशन को भी प्रोत्साहित किया गया है। इसके लिए अपशिष्ट प्रबंधन की शून्य तरल प्रणालियों और केंद्रीकृत अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों की स्थापना पर 50 प्रतिशत तक प्रतिपूर्ति प्रदान की जाएगी।

निर्यातकों की भागीदारी बढ़ाने पर जोर

पॉलिसी में निर्यातकों की भागीदारी को बढ़ाने पर जोर दिया गया है। इसके लिए निर्यात विविधीकरण को बढ़ावा, निर्यात-उन्मुख इकाइयों की दक्षता बढ़ाना और सुदृढ़ निर्यातोन्मुख लॉजिस्टिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जा रहा है। पॉलिसी के उद्देश्यों में निर्यात की मात्रा बढ़ाना, 'मेड इन मध्यप्रदेश' उत्पादों के निर्यात मूल्य में वृद्धि करना और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में रोजगार के अवसरों का सृजन भी शामिल है।

घरेलू और विदेशी निवेशकों के लिये सुनहरा अवसर

लॉजिस्टिक्स लागत में कमी से व्यापारियों और उद्यमियों को सीधा लाभ होगा। वेयरहाउस, ट्रांसपोर्ट और लॉजिस्टिक्स कंपनियों में लाखों नई नौकरियाँ उपलब्ध होंगी। विदेशी और घरेलू निवेशकों को आकर्षित करने का सुनहरा अवसर मिलेगा। साथ ही किसानों को उनके उत्पादों के लिए बेहतर परिवहन और भंडारण सुविधाएँ मिलेंगी।

D-19313/24

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में होगा मध्यप्रदेश फिजयो प्रीमियर लीग का आयोजन

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में दो दिवसीय मध्यप्रदेश फिजियो प्रीमियर लीग का अयोजन हो रहा है। इस आयोजन में क्रिकेट का महा-मुकाबला होगा जिसमें प्रदेश भर फिजियोथैरेपिस्ट और स्टूडेंट की टीमें भाग लेने जा रही है। यह महा-मुकाबला दो अलग-अगल ग्रुपों में होगा जिसमें से पहला ग्रुप भोपाल, इंदौर, जबलपुर के फिजियोथैरेपिस्टों का होगा और दूसरा ग्रुप राजधानी के महाविद्यालय आरएनटीयू, जेएनसीटी और मानसरोवर महाविद्यालयों का होगा। टीमों का महामुकाबला भोपाल के जय नारायण चौकसे महाविद्यालय (जेएनसीटी) के परिसर में 22 और 23 फरवरी 2025 को आयोजित होने जा रहा है।

नशे की लत के कारण कलयुगी बेटे ने वृद्ध मां को चाकू मारा

भोपाल। राजधानी भोपाल के ऐशबाग थाना इलाके में कलयुगी बेटे द्वारा वृद्ध मां को चाकू मारकर बुरी तरह घायल किये जाने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। शुरुआती जॉच में सामने आया है की आरोपी बेटा नशा करने का आदी है, और पैसो के लिये घर का सामान बेच देता था। इसकी जानकारी लगने पर जब मॉ ने उसे ऐसा करने से मना किया तब बेटे ने उस पर चाकू से वार कर दिया। थाना पुलिस के अनुसार 64 वर्षीय घायल वृद्धा आचार्य नरेंद्र देव नगर में रहने वाली अपनी बेटी के पास रहती है। उसका बेटा प्रताप सिंह अपनी पत्नि के साथ छिंदवाड़ा के जुन्नारदेव में रहता है। उसे शराब पीने की लत है, जिसके कारण पत्नी उसका आये दिन विवाद होता था। प्रताप छिंदवाड़ा से बीती 2 फरवरी को मां के पास रहने के लिये आ आया था। अपनी नशे की आदत के चलते वह घर के सामान ले जाकर बेच देता था। इसकी जानकारी लगने पर मॉ ने उसे ऐसा न करने की समझाइश दी थी, लेकिन वह अपनी हरकतो से बाज नहीं आया। मंगलवार रात करीब साढ़े आठ एक बार फिर वह कोई सामान बेचने जा रहा था, तभी मां ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। वृद्ध मां ने उसे फिर समझाइश देते हुए ऐसा करने का विरोध किया। बेटा उनके साथ दुर्व्यवहार करने लगा और किचन से चाकू उठाकर उसके गले के पास वार करते हुए धक्का दे दिया। मॉ के घायल होकर गिरने के बाद आरोपी बेटा वहॉ से भाग गया। घायल वृद्धा को इलाज के लिये जेपी अस्पताल पहुंचाया गया जहॉ से मिली सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी बेटे के खिलाफ मामला कायम कर उसकी गिरफ्तारी के प्रयास शुरु कर दिये है।

फिटजी के चेयरमैन से पूछताछ करने के बाद ही वापस भोपाल लौटेगी पुलिस टीम

भोपाल। राजधानी भोपाल मे छात्रों से करोड़ों रुपए की फीस जमा कराने के बाद कोचिंग बंद करने गायब होने वाले फिटजी के चेयरमैन डीके गोयल से पूछताछ करने के लिये भोपाल पुलिस पार्टी दिल्ली पहुंची है। जानकारी के मुताबिक दिल्ली में स्थित कोचिंग के मुख्य ऑफिस में दबिश देकर टीम ने भोपाल में संचालित कोचिंग से संबंधित कई अहम दस्तावेज जप्त किए हैं। इन दस्तावेजों से पता चलेगा कि भोपाल में छात्रों से कितनी फीस वसूली गई है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक आरोपी चेयरमैन डीके गोयल के बारे में दिल्ली के स्टाफ ने पुलिस टीम को उसके बाहर जाने की जानकारी दी है। पुलिस टीम को उससे पूछताछ करके ही लौटने के निर्देश देते हुए चेयरमैन के वापस आने तक वहीं पर रुकने को कहा गया है। अधिकारियों ने यह भी बताया की भोपाल सेंटर के जो अकाउंट सामने आए हैं। उनमें ज्यादा रकम नहीं मिली है। दिल्ली से जो रिकॉर्ड जब्त किया है, उससे पता चलेगा कि भोपाल के छात्रों से ली गई फीस किन-किन खातों में गई। ऐसे खातों को फ्रीज कराने की कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेश भर के 15 हजार से ज्यादा चिकित्सकों का विरोध प्रदर्शन

काली पट्टी बांधकर किया काम, उग्र होगा आंदोलन

भोपाल। राजधानी भोपाल समेत प्रदेश भर के सरकारी मेडिकल कॉलेज और निजी मेडिकल कॉलेज के 15000 से ज्यादा डॉक्टर विरोध करना शुरू कर दिया है पहले दिन कार्यस्थल पर काली पट्टी बांधकर काम किया। दअरसल अपनी अलग-अलग मांगों को लेकर प्रदेशभर के सरकारी डॉक्टरों ने एकजुट होकर आंदोलन करने का ऐलान किया है।

आंदोलन और तेज करने की दी चेतावनी

आंदोलन की शुरुआत राजधानी भोपाल के हमीदिया अस्पताल के ब्लॉक-2 के सामने हुई, जहां डॉक्टर्स ने विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में मेडिकल ऑफिसर्स, चिकित्सा शिक्षक, चिकित्सक और जूनियर डॉक्टर शामिल रहे।

चिकित्सक महासंघ ने अपनी प्रमुख मांगों में उच्च न्यायालय द्वारा आदेशित उच्च स्तरीय समिति का गठन, कैबिनेट से पारित DACP और NPA का सही क्रियान्वयन, सातवें वेतनमान का वास्तविक लाभ और चिकित्सा क्षेत्र में प्रशासनिक दखलंदाजी को रोकने जैसी मांगें शामिल की हैं। डॉक्टरों ने सरकार से जल्द से जल्द इन मुद्दों पर निर्णय लेने की मांग की है, अन्यथा आंदोलन और तेज करने की चेतावनी दी है।

पुरानी मांगो को पूरी करने के लिए कर रहे विरोध

चिकित्सक महासंघ के मुख्य संयोजक डॉ. राकेश मालवीया ने कहा कि यह आंदोलन प्रदेश के 52 जिला अस्पतालों, कम्युनिटी अस्पतालों, सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और मेडिकल कॉलेजों के डॉक्टरों द्वारा किया जा रहा है। डॉ. मालवीया ने कहा कि यह आंदोलन किसी नई मांग को लेकर नहीं है।
हमारी पुरानी मांगें आज भी वैसी ही बनी हुई हैं। इनमें से कुछ मांगों पर माननीय उच्च न्यायालय द्वारा आदेश भी जारी किए जा चुके हैं, लेकिन उनका क्रियान्वयन अभी तक नहीं हुआ है। इसके अलावा, कैबिनेट से पारित DACP का भी डॉक्टरों को पूरा लाभ नहीं मिला है। सरकार को इन सभी मुद्दों पर जल्द निर्णय यू लेना चाहिए और आदेश जारी करने चाहिए, जिससे हमारा आंदोलन समाप्त हो सके। हमारा मकसद केवल न्याय पाना है, आंदोलन करना नहीं।

फरवरी में ही महसूस हुई गर्मी, रात में भी नहीं लौट रही ठंड

भोपाल। लगातार चार दिनों तक अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना रहा, हालांकि बीते 24 घंटों में इसमें एक डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। बावजूद इसके, दिन में तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण गर्मी का एहसास बना हुआ है। वहीं, रात के तापमान में एक डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिससे ठंड पूरी तरह गायब हो गई है और फरवरी में ही गर्मी का अनुभव हो रहा है।

हवाओं ने राहत पहुंचाई

बुधवार को पूरे दिन तेज धूप रही और 11 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवाओं ने तापमान में हल्की गिरावट तो दर्ज कराई, लेकिन मौसम में ज्यादा राहत नहीं मिली। दिन का अधिकतम तापमान 30.5 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से एक डिग्री अधिक था, जबकि रात का न्यूनतम तापमान 16.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से तीन डिग्री अधिक था। गुरुवार को दिन का तापमान 30.6 दर्ज किया गया।

अंतिम सप्ताह में मिल सकती है राहत

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, दक्षिण पाकिस्तान और राजस्थान के ऊपर एक साइक्लोनिक सिस्टम एक्टिव है, जो गर्म हवाएं ला रहा है। साथ ही, उत्तर भारत में वेस्टर्न डिस्टरबेंस प्रभावी होने के कारण पूरे प्रदेश में तापमान बढ़ा हुआ है। हालांकि, 24 फरवरी के आसपास एक और वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय होने की संभावना जताई गई है, जिससे प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्का असर देखने को मिल सकता है। फरवरी के अंतिम सप्ताह में तापमान में गिरावट हो सकती है, लेकिन फिलहाल दिन में गर्मी का असर और रात में ठंडक की कमी बनी रहने की संभावना है।

एडीजीपी डीसी सागर से वरिष्ठ पत्रकार सुधांशु द्विवेदी ने की मुलाकात

भोपाल। प्रदेश के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, राज्यपाल पुरस्कार से अलंकृत सीनियर तेजतर्रार आईपीएस अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एडीजीपी डीसी सागर से वरिष्ठ पत्रकार एवं प्रख्यात स्तंभकार सुधांशु द्विवेदी ने 20 फरवरी को मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय पीएचक्यू में मुलाकात की। इस अवसर पर साथ में युवा पत्रकार रघुकुल न्यूज़ के डायरेक्टर सुजीत रघुवंशी एवं एडवोकेट विवेक रघुवंशी भी उपस्थित रहे। इस दौरान कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के साथ ही सागर को भगवान श्रीराम की तस्वीर भी भेंट की गई।

मप्र पुलिस को नक्सल विरोधी अभियान में मिली एक और बड़ी सफलता

30 वर्षों के बाद एक ही मुठभेड़ में 04 खूंखार नक्सली धराशायी, मृत नक्सलियों पर घोषित था रुपए 62 लाख का ईनाम

भोपाल। विगत समय में अपनाई गई आक्रामक रणनीति तथा मुठभेड़ों में प्राप्त सफलताओं से उत्साहित मध्यप्रदेश पुलिस ने दिनांक 19.02.25 को एक बड़ी मुठभेड़ में माओवादियों के एम.एम.सी. जोन (मध्यप्रदेश-महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़) के के. बी. डिवीजन (कान्हा भोरमदेव) की भोरमदेव एरिया कमेटी के 04 हार्डकोर महिला नक्सलियों को मार गिराया।

सुरक्षा बलों की आक्रामक कार्यवाही से हुये नुकसान से बौखलाए माओवादी बालाघाट के थाना गढ़ी अंतर्गत सूपखार जंगल में सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की कोशिशें कर रहे थे। इनकी गतिविधियों के संबंध में लगातार आसूचनाएं मिलने पर इनकी तलाश के लिए सुरक्षाबलों को सूपखार जंगल के रौंदा गढ़ीदादर कटोलदेही क्षेत्र में भेजा गया।

सर्चिंग अभियान के दौरान 2025 माओवादियों द्वारा सुरक्षा बलों को हताहत करने तथा उनके हथियार लूटने की नियत से अंधाधुंध फायरिंग की गई।

सुरक्षा बलों द्वारा अपनी जान की परवाह न करते हुये सूझबूझ से नियंत्रित एवं प्रभावी जवाबी फायरिंग की गई जिसमें 04 वर्दीधारी हार्डकोर महिला माओवादी मारी गईं। इनके कब्जे से 01 इंसास रायफल मय मैग्जीन, 01 एसएलआर रायफल मय मैग्जीन, एक 303 रायफल व एक 315 रायफल तथा दैनिक उपयोग की अन्य सामग्री बरामद की गई। मुठभेड़ के दौरान घायल तथा घने जंगल का फायदा उठाकर भागे अन्य माओवादियों की तलाश में सीआरपीएफ, हॉकफोर्स तथा जिला पुलिस द्वारा मुठभेड़ क्षेत्र में बड़े स्तर पर सघन सर्चिंग अभियान संचालित किया जा रहा है।

पत्नी ने नौकरी नहीं छोड़ी तो पति ने दुकान जाकर सेठ पर किया चाकू से जानलेवा हमला

भोपाल। निशातपुरा थाना क्षेत्र एक कपड़ा कारोबारी के यहॉ काम करने वाली महिला के पति ने दुकान जाकर सेठ पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। आरोपी का पत्नि का नौकरी करना पंसद नहीं था, और वह उस पर नौकरी छोड़ने का दबाव बना रहा था। थाना पुलिस के अनुसार भानपुर स्थित शिव नगर के पास रहने वाले अशोक कुमार शाक्या पिता भैयालाल शाक्या (50) कपड़ा कारोबारी है।

उसकी करोद में बृज कॉलोनी में साड़ियो की दुकान है। अशोक कुमार शाक्या की दुकान में स्वाति बघेल नौकरी करती है। उसका पति रामराज बघेल मूलत: विदिशा जिले का रहने वाला है। उसे शराब पीने की लत है, जिसके कारण पति-पत्नी के बीच मनमुटाव चल रहा था। पति की शराब की आदत के कारण घर की आर्थिक स्थिति काफी खराब थी, वहीं आये दिन पारिवारिक कलह भी होती थी। इस कारण स्वाति बघेल नौकरी करने लगी थी। लेकिन उसका पति उसे नौकरी छोड़ने की बात कहते हुए विवाद करता था। करीब एक सप्ताह पहले भी पति ने इसी

बात को लेकर झगड़ा किया था।

इसके बाद वह विदिशा चला गया और तीन दिन पहले ही वहॉ से वापस आया। उसने पत्नी से कहा की वह नौकरी छोड़ दे वरना वह उसके सेठ को मार देगा। स्वाती ने उसकी बात को नजर अदांज करते हुए दुकान पर जाती रही। बीते दिन शाम करीब साढ़े छह बजे अशोक कुमार शाक्या दुकान पर बैठै थे। उसी समय आरोपी रामराज दुकान पर आया और अचानक ही चाकू निकालकर उन पर हमला कर दिया। बचने की कोशिश में चाकू का वार अशोक के सीने पर लगगा, तभी आरोपी ने दुसरा वार उनकी गर्दन पर मारा। यह देख बचाने आई आरोपी की पत्नी स्वाति बघेल के हाथ में भी चाकू का वार लग गया।

अचानक हुए इस हमले की वारदात से बाजार में हड़कंप मच गया। सीने और गर्दन पर चाकू के वार लगने से अशोक गंभीर रुप से जख्मी हो गए और दुकान में खून फैल गया। उन्हें गंभीर हालत में इलाज के लिये पीपुल्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहॉ उनकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है। वहीं वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से भाग गया। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला कायम कर उसकी तलाश कर रही है। आरोपी की धरपकड़ के लिये पुलिस टीम विदिशा भी रवाना की गई है।

ब्वॉय फ्रैंड ने प्रेमिका के दोस्त को चाकू मारा

भोपाल। श्यामला हिल्स स्थित कमला पार्क में बीती रात उस समय हड़कंप मच गया जब एक एक युवती के साथ मौजूद उसके दोस्त को वहॉ आये अन्य युवक ने चाकू मारकर घायल कर दिया और फरार हो गया। हमला करने वाला आरोपी घायल के साथ मौजूद युवती को अपनी बताकर उसका विरोध कर रहा था। वारदात के बाद युवती मौके से फरार हो गई थी।

वहीं घायल को पुलिस ने पहले इलाज के लिये हमीदिया अस्पताल पहुंचाया। बाद में उसकी शिकायत पर आगे की कार्यवाही शुरु कर दी है। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गौतम नगर थाना क्षेत्र में स्थित डीआईजी बंगला में रहने वाले अजय सूर्यवंशी पिता खुमान सिंह सूर्यवंशी (23) ने बताया की शाहजहांनाबाद इलाके में रहने एक युवती के साथ आया था। युवती उसकी दोस्त है। करीब साढ़े दस बजे दो-तीन युवक उसके पास आये एक युवक ने उसके साथ मौजूद युवती को अपनी बहन बताया और फिर सभी आरोपी उसके साथ गाली-गलोज करने लगे।

विरोध करने पर एक युवक ने अपने पास रखा चाकू निकालकर उस पर वार कर घायल कर दिया। चाकू से वार और मारपीट के बाद आरोपी उसे धमकाते हुए फरार हो गए। घटना को लेकर पार्क में सनसनी फैल गई और सड़क पर भी वाहनो की लाइन लग गई। सूचना मिलने पर आई पुलिस घायल युवक को थाने ले गई वहीं युवती वहॉ से जा चुकी थी। अजय की पीठ पर चाकू के वार लगे हैं। सूत्रो के अनुसार बाद में सामने आया है की आरोपियो में शामिल एक युवक की पहले युवती के साथ दोस्ती थी।

लेकिन फिलहाल युवती की उससे दुरियां और घायल अजय सूर्यवंशी से नजदीकियां चल रही थी। आरोपी इसी बात से नाराज चल रहा था। पुलिस ने इस मामले में प्रकरण दर्ज कर लिया है। सूत्र बताते है की जांच में एक आरोपी का नाम अंकित पाल सामने आया है, जिसकी जानकारी जुटाई जा रही है।

आदतन बदमाशो ने बनाया पेट्रोल पंप पर डकैती का प्लान

कोर्ट केस में वकीलो की फीस और दोस्त की बर्थडे पार्टी के लिये थी पैसो की जरुरत

भोपाल। राजधानी की टीटी नगर थाना पुलिस ने डकैती की योजना बना रहे हथियारो से लैस आधा दर्जन बदमाशो को दशहरा मैदान खंडहर से दबोचा है। बदमाशो ने बडा माल मिलने की उम्मीद करते हुए वारदात को अंजाम देने की पूरी योजना बना ली थी, लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने उन्हें धर दबोचा। थाना प्रभारी सुधीर अरजरिया ने बताया की ग्लोबल इन्वेसमेंट समिट को लेकर इन दिनो सुरक्षा को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में बीते दिन पैट्रौलिंग टीम को मुखबिर से सूचना मिली की हथियारो से लैस कुछ सदिंग्ध युवक दशहरा मैदान खंडहर में बैठे है। खबर मिलते ही टीम ने घेराबंदी कर 6 युवको को पकड़ लिया।

मौके पर जहॉ कई शराब की खाली बोतले बिखरी पडी थी, वहीं बदमाशो के पास से ग्राईंडर मशीन, लोहे की रॉड, लोहे का सब्बल, स्टील की राड, धारदार हथियार, लोहे का पाईप, मोबाईल फोन मिलने पर पुलिस ने उनसे सख्ती से पूछताछ की। पहले तो आरोपियो ने अपने एक

साथी का जन्मदिन मनाने की बात कही। लेकिन पुलिसिया अंदाज में हुई पूछताछ में उन्होनें बताया कि वह पीएंडटी चौराहा स्थित पैट्रोल पंप पर डकैती करने की तैयारी में हथियारो से लैस होकर आये थे। पुलिस ने बताया की पकड़े गये सभी आरोपी आदतन बदमाश है, जिनके अपराधिक प्रकरण अदालतो में चल रहे है। लेकिन वह केस लड़ने वाले वकीलो की फीस नही चुका पाते जिसके कारण पूर्व मे बदमाशो के वारंट निकल चुके थे।

पकड़े गये बदमाश और उनका अपराधिक रिकार्ड

दबोचे गये बदमाशो में नरेन्द्र चावरिया उर्फ काला पिता नारायण प्रसाद चावरिया (31) निवासी बाणगंगा के खिलाफ करीब 2 दर्जन, मनीष भालाधरे पिता संतोष भालाधरे (21) निवासी बीडीए कालोनी अवधपुरी के खिलाफ 3, अमन चोटाले उर्फ मोन्टू पिता महेन्द्र चोटाले (22) निवासी बाणगंगा टीटी नगर के विरुद्ध 1दर्जन से अधिक अपराध टीटी नगर, मिसरोद, श्यामलाहिल्स, कमलानगर मे दर्ज है। चौथे बदमाश विकास नगरवार पिता राम नगरवार (28) निवासी बीडीए कालोनी अवधपुरी के खिलाफ 1प्रकरण, टीटू लोढेरे पिता महेश लोढेरे (20) निवासी बाणगंगा थाना श्यामला हिल्स के खिलाफ आधा दर्जन से अधिक मामले थाना टीटी नगर और श्यामलाहिल्स में दर्ज है। सुमित कोल पिता राजू प्रसाद कोल (18) निवासी बाणगंगा टी टी नगर के विद्वध आधा दर्जन अपराधिक प्रकरण थाना टीटी नगर और श्यामलाहिल्स मे दर्ज है। पुलिस आरोपियो से अन्य वारदातो के बारे में पूछताछ कर रही है।

चीन- रूस व भारतीय अवैध प्रवासियों के साथ अमेरिका का भेदभाव

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के अवैध प्रवासियों की तीन खेप को सेना के विमान में भारत भेज दिया है। 300 से अधिक भारतीय अवैध प्रवासी भारत वापस लौट चुके हैं। खास यह है कि इन सभी को हथकड़ियों और बेड़ियों में जकड़ कर भेजा गया है। सेना के लड़ाकू विमान जिसमें बैठने के लिए सीट नहीं होती हैं, खाने-पीने की कोई व्यवस्था नहीं होती है। एक इमरजेंसी टॉयलेट भरा होता है। उसमें अमेरिका से अवैध प्रवासियों को भारत भेजा जा रहा है। अमेरिका में चीन और रूस के तीन लाख से अधिक अवैध प्रवासी रह रहे हैं। चीन और रूस के अवैध प्रवासियों को भेजने की कोई प्रक्रिया अमेरिका द्वारा शुरू नहीं की गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का इरादा पूरी तरह से अब जग जाहिर हो गया है। वह भारत और भारत के अवैध प्रवासियों के साथ अपनी खुन्नस निकाल रहे हैं। व्हाइट हाउस द्वारा अवैध प्रवासियों को जिस तरह से भारत भेजा गया, उसका वीडियो बनाया गया। वेड़ियो और हथकड़ियों में जकड़े महिला, पुरुषों और बच्चों को भेजने का यह वीडियो 5 करोड़ से ज्यादा लोग दुनिया में देख चुके हैं। डोनाल्ड ट्रंप उनके सलाहकार एलन मस्क वीडियो में अट्हास करते हुए नजर आ रहे हैं। जो इस बात का प्रमाण है कि अमेरिका जानबूझकर भारत के अवैध प्रवासियों के साथ गुलाम और अपराधियों जैसा व्यवहार कर रहा है। भारत की जो विश्व गुरु वाली छवि सारी दुनिया के देशों में बनी हुई थी उस छवि को सुनयोजित रूप से नष्ट किया जा रहा है। अमेरिकी गृह मंत्रालय के अनुसार चीन के 260000 रूस के 30000 से ज्यादा अवैध प्रवासी अमेरिका में रह रहे हैं। इसके अलावा अन्य देशों के भी लाखों अवैध प्रवासी अमेरिका में रह रहे हैं, लेकिन भारत के अवैध प्रवासियों को अमेरिका से जिस तरह से वापस भेजा जा रहा है उससे यह बात स्पष्ट हो रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत के साथ दुश्मनी वाला व्यवहार कर रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के पहले चीन और अन्य देशों के ऊपर टैरिफ बढ़ाने की धमकी दी थी, लेकिन एक महीना होने को आ गया चीन और अन्य देशों के साथ उन्होंने जो धमकी दी गई थी उसके अनुसार कोई कार्रवाई नहीं की। सारी गाज भारत के ऊपर गिरती हुई दिख रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले दिनों तंज कसा है, भारत के पास खूब पैसा है। भारत अमेरिका से सबसे ज्यादा टैरिफ वसूल करने वाला देश है। यह कहते हुए उन्होंने जो भारत को सहायता दी जा रही है उसे भी बंद करने का आदेश दिया है। अमेरिका की धमकी के आगे भारत ने बहुत सारी चीजों में आयात शुल्क घटा दिया है। अमेरिका के दौरे में जब भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गए थे, उस समय अमेरिका के हितों को ध्यान में रखते हुए बहुत से ऐसे समझौते किए हैं जो भारत के लिए नुकसानदेह हैं। यह माना जा रहा था कि अवैध प्रवासियों को लेकर वह सकारात्मक रुख अपनाएंगे। भारतीय कारोबारी गौतम अडानी को लेकर अमेरिका का सकारात्मक रुख होगा, लेकिन 18 फरवरी को अमेरिका न्याय विभाग ने जो पत्र भारत सरकार को भेजा है उसके बाद यह आशा भी खत्म हो गई। इससे ऐसा लगता है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके सलाहकार एलन मस्क जानबूझकर भारत सरकार को ब्लैकमेल कर रहे हैं। वह अपनी व्यक्तिगत खुन्नस निकाल रहे हैं। भारत सरकार अमेरिका से इतना क्यों डर रही है, इसको लेकर अब दुनियाभर में चर्चा होने लगी है। छोटे से छोटे देशों ने अमेरिका के ऊपर जवाबी हमले किए, उसके बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को मौन साधना पड़ा। भारत सरकार की चुप्पी सभी को आश्चर्य चकित कर रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में साक्षी न्यूज को जो इंटरव्यू दिया है उसमें उन्होंने यह बताया है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब उनसे मिले थे तब उन्होंने प्रतिस्पर्धी टैरिफ लगाने की बात उन्हें बता दी थी। अवैध प्रवासी भारतीयों को लेकर भी उनसे चर्चा हो चुकी है। इससे यह स्पष्ट है, भारत सरकार कुछ ना कुछ तो छुपा रही है। बहरहाल दुनिया के देशों में भारत की जो छवि बनी हुई थी वह बड़ी तेजी के साथ खत्म हो रही है। अब तो लोग यह भी कहने लगे हैं अमेरिका की सरकार भारत के साथ गुलामो सरीका व्यवहार कर रही है। पिछले 1 महीने में अमेरिका की सरकार ने भारत के साथ जिस तरह का व्यवहार किया है वह किसी को रास नहीं आ रहा है। लोग अब 1971 के युद्ध से तुलना करने लगे हैं। उस समय भारत आर्थिक रूप से स्मृद्ध नहीं था। उस समय भी अमेरिका अपनी दादागिरी भारत के साथ नहीं कर पाया था। 2025 में जब हम आर्थिक एवं सामरिक रूप से हजारों गुना ज्यादा सर्मृद्ध हैं, तब भारत के साथ अमेरिका इस तरह की दादागिरी कर रहा है। इसमें सबसे ज्यादा नुकसान भारत के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निजी रूप से होता हुआ दिख रहा है।

शिक्षण से परे

तनाव समकालीन जीवन का पर्याय बन गया है। की जरूरत है यह स्वीकार करने का समय है तनाव स्थानिक है और यह समझने के लिए कि इसे इस तरह से कैसे संभालना है जो जीवन को जीवंत और पूर्ण रहने की अनुमति देता है। अक्सर एक सुरक्षित और के रूप में खारिज कर दिया आसान काम , समकालीन अध्ययनों से पता चलता है कि जब तनाव और बर्नआउट की बात आती है तो शिक्षण उच्च रैंक करता है। द्वंद्व के बावजूद इसमें जिम्मेदारी शामिल है, शिक्षण में एक कैरियर यादातर व्यवसायों की तुलना में आर्थिक रूप से कम आकर्षक बना हुआ है। एक शिक्षक बर्नआउट को कैसे रोक सकता है और एनडी अधिक पूर्ण तत्व एन उनके जीवन को रोक सकता है? एक व्यवसाय अपने आप को याद दिलाएं कि आपने शिक्षक बनने के लिए क्यों चुना। शायद आप अपने शिक्षकों से प्रेरित थे या महसूस करते थे कि बच्चों के साथ काम करने से आपको खुशी मिलती है। तनाव के समय इसे याद रखने से मदद मिल सकती है आप उन तत्वों से जुड़े रहते हैं जो शिक्षण को व्यवसाय बनाते हैं न कि केवल नौकरी। शामिल करने के लिए अपनी दिनचर्या की योजना बनाएं नियमित आत्म-देखभाल। पर्याप्त नींद लेना, नियमित रूप से व्यायाम करना (20 मिनट की सैर या योग करना), समय पर भोजन करना, और परिवार और दोस्तों के साथ गुणवत्ता का समय आपके जीवन का एक हिस्सा होना चाहिए। शौक और जुनून की खेती करें जो आपको विघटित करने की अनुमति देते हैं। इसे पढ़ना, क्रोचिंग, कढ़ाई, पेंटिंग, ओरिगामी और पेपरक्राफ्ट, बागवानी, या स्वयंसेवक काम करते हैं, शिक्षण से परे अपनी प्रतिभा का पता लगाते हैं नियमित पुन : एक्शन और माइंडफुलनेस प्रथाओं या कुछ ऐसा करने के लिए समय निकालें जो आपको प्रेस पॉज़ करने और अपनी आवश्यकताओं का जायजा लेने की अनुमति देता है। यह एक डायरी लिखने के रूप में सरल हो सकता है, का उपयोग कर यूट्यूब वीडियो नई चीजों को सीखने और अभ्यास करने के लिए, या सुखदायक संगीत सुनने के लिए। हमारे साथियों के साथ अनुभवों, चुनौतियों और सफलताओं को साझा करके एक मजबूत समर्थन प्रणाली का निर्माण करें। आपके सहयोगियों के होने की अनूठी चुनौतियों के साथ सहानुभूति रखने की सबसे अधिक संभावना है एक अध्यापक। वे विभिन्न परियोजनाओं पर व्यावहारिक सलाह, संरक्षक और सहयोग कर सकते हैं। समूह गतिविधियों में भाग लेना साथी शिक्षकों के साथ जुड़ने और बंधन बनाने का एक शानदार तरीका भी है, इसे व्यंजनों, पोटलक, या पोस्ट स्कूल वार्तालाप के माध्यम से साझा करें। के छोटे जीत का जश्न मनाएं अपने शिक्षार्थियों ताकि ध्यान केंद्रित बड़े परिणामों पर (जैसे परीक्षण परिणाम) भारी महसूस नहीं करता है। क्या एक संघर्षशील छात्र ने आज एक नई अवधारणा को समझा? क्या आपने एक शांत छात्र तक पहुंचने का प्रबंधन किया? ये छोटे उपलब्धियां महत्वपूर्ण हैं और अपनी प्रेरणा को ऊंचा रखें। यात्रा करने और नए स्थानों की खोज करने के लिए डाउनटाइम के रूप में अकादमिक ब्रेक का उपयोग करें जो आपको मानसिक और भावनाओं को रिचार्ज करने की अनुमति देते हैं सहयोगी। शिक्षण उचित अवकाश लेने के लिए निर्धारित ब्रेक और ओ द्व्ह्य समय के साथ आता है। इन सबसे ऊपर, शिक्षण एक रचनात्मक पेशा है, इसलिए उन शांत बनाने की प्रक्रिया का आनंद लें वर्कशीट और पाठ योजना। एक मजाक या दो को हर बार क्रैक करें, छात्रों को लचीलापन, ध्यान और अनुशासन के लिए अपनी क्षमता का निर्माण करते हुए जीवन के हल्के पक्ष को देखने में मदद करें। औपचारिक कार्यक्रम तनाव के प्रबंधन के साथ शिक्षकों का समर्थन करना एक ऐसी चीज है जिस पर सभी शैक्षणिक संस्थानों को अपने जीवन में अधिक संतुलन शामिल करने के लिए रास्ते बनाकर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। कुछ संस्थानों में अक्सर औपचारिक सलाह कार्यक्रम और सहयोगी समूह होते हैं जो शिक्षकों को नियमित माइंडफुलनेस सत्र, गतिविधियों, शौक क्लबों और वेलनेस सेमिनार आयोजित करने जैसे अधिक सहायक तरीकों से एक-दूसरे से जुड़ने की अनुमति देते हैं।

जनजातीय हितों व श्रद्धा पर केंद्रित हो नई वननीति

डॉ. प्रवीण गुगनानी

वनग्राम, वनों से सटे राजस्व ग्राम, जनजातीय समाज, वनों के भीतर कृषि का अधिकार, जनजातीय समाज को वनों के सीमित उपयोग की अनुमति आदि-आदि विषय मप्र में एक बड़ा सामाजिक सरोकार का प्रश्न रहे हैं। यह प्रश्न अब गहरा रहा है। मप्र सरकार कंपनी, संस्था, व्यक्ति या स्वयंसेवी संस्था को बिगड़े जंगल अनुबंध पर साठ वर्ष हेतु देनें के प्रस्ताव पर विचाररत है। नई नीति में निजी क्षेत्र को, विभाग के अनुसार नए पौधे लगानें होंगे। दो वर्ष में पौधे नहीं उगे तो अनुबंध समाप्ति का अधिकार शासन के पास सुरक्षित रहेगा। इन वनों का कार्बन क्रेडिट, वन विभाग के माध्यम से विक्रय करेंगे। इस नीति के अनुसार एक हजार हेक्टेयर तक के जंगल को यदि कोई निजी कंपनी विकसित करना चाहेगी तो वनों की पुनर्स्थापना का भी प्रावधान है। अनुबंधित वनों से प्राप्त वनोपज का पाँचवा भाग वन समिति को और शेष चार भाग वन विकास निगम और निजी कंपनी को मिलेंगे। फल वनोपज का आधा भाग निजी कंपनी को प्राप्त होगा।

मप्र में पंचानवे हजार हेक्टेयर वन क्षेत्र है जिसमें से सैतीस लाख हेक्टेयर क्षेत्र बिगड़े वन हैं। इसे ही निजी क्षेत्र में सौंपने की तैयारी है। नई नीति के अन्तर्गत निजी निवेशकों का इन वनीय क्षेत्रों की, उपज, व कार्बन क्रेडिट पर प्रथम अधिकार होगा। नई नीति का नाम सीएसआर एवं कंपनी एनवायरोनमेंट रिस्पांसिबिलिटी एवं अशासकीय निधियों के उपयोग से वनों की पुनर्स्थापना है। इसके अंतर्गत मप्र में निजी निवेशक न्यूनतम दस हेक्टेयर वन का चयन कर सकेंगे। नई वन नीति में कई विसंगतियाँ हैं, जिससे वनीय विविधता की हत्या हो जाएगी। जिस प्रकार से समर्थन मूल्य के कारण मप्र व अन्य प्रदेशों की कृषि विविधता समाप्त हो गई है, उसी प्रकार वन विविधता समाप्त हो जाएगी। जब वनीय विविधता समाप्त होगी तो सर्वप्रथम वनीय जैव विविधता, बड़ी तीव्रता से समाप्त होगी। वनवासियों हेतु हर वृक्ष का हर उत्सव व ऋतु में अलग अलग आस्था का सम्बंध होता है। हजारों-लाखों प्रकार के जीव-जंतुओं का भोजन, उनकी औषधियां, उनकी रहवासी आवश्यकताएँ सभी कुछ समाप्त हो जाएँगे। जीव-जंतु तो छोड़िए जनजातीय समाज और नगरीय समाज को मिलने वाली हजारों वनीय औषधियां, जड़ी-बूटियाँ, रसायन, मौसमी, उत्पाद सभी कुछ समाप्त हो जाएँगे। प्रकृति की अविरल धारा के समक्ष एक बड़ा अवरोध व परिवर्तन उपस्थित होगा जिससे कई प्रकार की असंगतियाँ-विसंगतियाँ देखने को मिलेंगी। अनुबंध पर जंगल लेने वाले व्यसायी केवल लाभ से सरोकार रखेंगे। निजी वन व्यवसायी और कम्पनियाँ आदि; राष्ट्रीय, पर्यावरणीय, सामाजिक, धार्मिक आदि विषयों के प्रति कोई सरोकार या संवेदनशीलता रखने से तो रहे। व्यावसायिक लाभ ही एकमेव लक्ष्य होगा, इससे वनोपज में असंतुलित वृद्धि तो हो सकती है किंतु पर्यावर्णीय हानि, जैव व वन विविधता की हानि व वनवासी समाज के साथ शासन व शेष समाज के सम्बंध बिगड़ सकते हैं। नई वन नीति की सम्पूर्ण समीक्षा की आवश्यकता है। या तो यह नीति रद्द हो या फिर इस नीति में वनीय, विविधता, जैव विविधता, जलीय सरंचनाओं, वनीय पशु-पक्षियों की आवश्यकताओं, वनवासी बंधुओं की आजीविका आदि विषय में सुरक्षा की गारंटी हो। नई वन नीति में जिसे बिगड़े वन कहा जा रहा है, उसकी परिभाषा भी तय नहीं है। ग्राम सभा की अनुमति की शर्त भी बड़ी ही आसान व एक औपचारिकता मात्र है। केवल मूल्यवान लकड़ी प्रदान नहीं करने वाले वनों को बिगड़ा हुआ वन मान लेना एक बड़ी प्रदूषित, शोषक, स्वार्थी व एकपक्षीय नीति है। वनवासी बंधुओं की धार्मिक, सामाजिक, आर्थिक आवश्यकताओं को एवं पर्यावरण को दृष्टिगत रखते हुए वनीय विविधता बनी रहना परम आवश्यक है। इस नई वन नीति से हमारी आने वाली पीढ़ियाँ कई वनीय उत्पादों के केवल नाम ही सुन पाएगी। आज जिस प्रकार कृषि क्षेत्र में केवल दो चार प्रकार के अन्न का उत्पादन हो रहा है व शेष फसलों का उन्मूलन होता जा रहा है वही स्थिति वनों में भी देखने को मिलेगी। प्रत्येक ऐसे वृक्ष को जिससे आर्थिक लाभ नहीं होता है या कम लाभ होता है उसे कुल्हाड़ी की बलि चढ़ाकर, वहाँ व्यावसायिक लाभ की दृष्टि से मूल्यवान पेड़ लगा दिए जाएँगे। लाभ मात्र के मूलमंत्र से पारिस्थितिकी संतुलन व इको सिस्टम समाप्त होगा। वनों में ये कंपनियां बेतहाशा इको टूरिज़्म को बढ़ावा देंगी, यह लाभप्रद तो अवश्य ही होगा किंतु इसके गंभीर साइड इफ़ेक्टस भी हो सकते हैं। आशंका है कि, वनों को लेकर 'अंधाधुंध दोहन की' या केवल 'लाभ की नीति' से पर्यावरण असंतुलन उत्पन्न हो सकता है। वर्ष 2020 में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के समय भी इस प्रस्ताव को लाया गया था जो बाद में फाइलों में बंद हो गया था। फ़ाइलों में बंद इस जिन्न को मप्र वन विभाग के नौकरशाहों ने पुन: बाहर निकाला है। यद्दपि यह मध्यप्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार की संवेदनशीलता ही है कि सरकार ने अभी एकतरफ़ा निर्णय नहीं लिया है, तथापि मुख्यमंत्री जी को जनजातियों के प्रति असंवेदनशील, वन नीति से सावधान रहना होगा। मुख्यमंत्री जी के अध्यक्षता मे कुछ ही दिन पहले एक टास्क फोर्स की मीटिंग हुई थी, जिसमें वन अधिकार कानून के तहत ग्राम सभाओं को अपने परंपरागत वन क्षेत्र के पुनर्निर्माण, संवर्धन, संरक्षण एवं प्रबंधन के अधिकार देने का निर्णय हुआ था। संभवत: इसी को ध्यान में लेकर माननीय मुख्यमंत्री जी ने इस वन नीति के प्रारुप को अभी सहमति नहीं दी होगी।मप्र शासन ने नई वननीति के संदर्भ में apccfit.mp.gov.in पर जनता से सुझाव व आपत्तियाँ माँगी हैं। सभी पर्यावरणविदों को सुझाव देना चाहिए, कहीं ऐसा न हो कि शासकीय आय बढ़ाने के इस उपक्रम को वन शोषण का धतकर्म बना दिया जाए। वन विकास के नाम पर कहीं हमारें वन व्यवसाइयों व दलालों की भेंट न चढ़ जाएँ। मप्र की जनता से प्राप्त होने वाले सुझावों और आपत्तियों को देखते हुए नीति में वांछनीय परिवर्तन या संपूर्णत: अस्वीकृत भी किया जा सकता है।

मप्र की भाजपा सरकार की ओर से यह एक शुभ संकेत है और एक अवसर भी। वस्तुत: स्टेट फारेस्ट रिपोर्ट 2023 में यह निष्कर्ष था कि मध्यप्रदेश, सन्त्यान्वे हजार वर्ग किमी वनक्षेत्र वाला देश का सबसे बड़ा राज्य है। इसमें यह तथ्य भी उभरकर आया था कि, 2021 की तुलना में, 2023 में, मप्र में 612 वर्ग किमी जंगल कम हो गए हैं। मप्र में चालीस प्रतिशत से कम घनत्व वाले वनों को बंजर भूमि या ओपन फॉरेस्ट कहा गया है। इस वनभूमि को ही निजी क्षेत्रों में देना प्रस्तावित है। मप्र सरकार का लक्ष्य इस बंजर भूमि पर वनक्षेत्र बढ़ाना है।

लेखक-जनजातीय विषयों के विशेषज्ञ, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार में सलाहकार, राजभाषा

सामाजिक ताना-बाना बिखेर रहे फूहड़ता और रील्स के परिवेश

मॉर्डन परिवेश में जीवन का चरमसुख अब फॉलोअर्स पाने और कमेंट आने पर निर्भर हो गया है। फ़ेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर नग्न अवस्था में तस्वीरें शेयर कर आज लड़कियाँ लाइक कमेंट पाकर ख़ुद को ऐसे अनुगृहित करती दिखाई देती है; मानो जीवन की सबसे अहम और ज़रूरी ऊंचाई को उन्होंने पा लिया हो। इस नग्नता को हम आधुनिकता के इस दौर में न्यू फैशन कहते हैं।

सोशल मीडिया पर फैशन की उबाल आई तो सोशल नेटवर्क पर युवा पीढ़ी ने ख़ुद को खूबसूरत युवतियों से पीछे पाया, फिर क्या युवकों ने ख़ुद की नग्नता का नंगा नाच शुरू किया कहा मैं पीछे कैसे? युवा अपने यौवन को दिखाते घूम रहे हैं मैं किसी से कम नहीं। पहले के ज़माने में बड़े बुज़ुर्ग इस तरह की हरकतों पर नकेल कसते थे। खैर ज़माना आधुनिक है इस लिए समाज इसे स्वीकारता और आनंदित होता है। ऐसे बिगड़ैल यूट्यूबर के इंटरव्यूज होना और भी अचरज की बात है। सोशल मीडिया पर आजकल जो ये फॉलोवर बढ़ाने के लिए जो नग्नता परोसी जा रही है। क्या उसमें परोसने वाले ही दोषी हैं? क्या उसको लाइक और शेयर करने वाले दोषी नहीं हैं? मेरे हिसाब से तो वह ज़्यादा दोषी हैं। अगर हम ऐसी पोस्ट या वीडियो को लाइक शेयर करना ही बंद कर दें तो क्या ये बंद नहीं हो सकता? पूरा देश नग्नता के लिए फ़िल्मों को दोष देता है परंतु आज सोशल मीडिया (सामाजिक पटल) पर इतनी भयंकर नग्नता है कि हमारी जो भारतीय फ़िल्में को भी शर्म आ जाए। आज कोई भी सोशल प्लेटफार्म अछूता नहीं है फूहड़पन और नग्नता से। सोशल मीडिया के अंधे दौर में कुछ लाइक और व्यू पाने के लिए हमारे समाज की नारियों को कैसे लक्षित किया जा रहा है और उन्हें नग्नता परोसना पड़ रहा है और वह लाइक और व्यू के आसमान में उड़ने के लिए नग्नता परोस स्वयं के मान सम्मान स्वाभिमान का सौदा आसानी से कर रही है।

कुछ चप्पल छाप यूट्यूबर्स लोग केवल व्यू पाने के लिए हमारी आस्था पर इस तरह के अश्लीलता वाले थम्बनेल लगाते हैं। किससे क्या कहें? जीवन का चरमसुख अब फॉलोअर्स पाने और कमेंट आने पर निर्भर हो गया है। फ़ेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर नग्न अवस्था में तस्वीरें शेयर कर आज लड़कियाँ लाइक कमेंट पाकर ख़ुद को अनुगृहित करती दिखाई देती है, मानो जीवन की सबसे अहम और ज़रूरी ऊंचाई को उन्होंने पा लिया हो। इस नग्नता को हम आधुनिकता के इस दौर में न्यू फैशन कहते हैं। सोशल मीडिया पर फैशन की उबाल आई तो सोशल नेटवर्क पर युवा पीढ़ी ने ख़ुद को खूबसूरत युवतियों से पीछे पाया, फिर क्या युवकों ने ख़ुद की नग्नता का नंगा नाच शुरू किया और कहा, मैं पीछे कैसे? युवा अपने यौवन को दिखाते घूम रहे हैं मैं किसी से कम नहीं। ऐसे बिगड़ैल यूट्यूबर के इंटरव्यूज होना और भी अचरज की बात है। पहले के ज़माने में बड़े बुज़ुर्ग इस तरह की हरकतों पर नकेल कसते थे। खैर ज़माना आधुनिक है इस लिए समाज इसे स्वीकारता और आनंदित होता है। पर ये बहुत ही गम्भीरता से सोचने का विषय है- हमारे घरों के छोटे-छोटे बच्चे किस दिशा में जा रहे हैं। माता-पिता क्यों जानबूझ कर अनदेखा कर रहें हैं? क्यों नहीं अपने बच्चों को टाईम और संस्कार देना चाहते हैं? क्यों अपने हाथो अपने बच्चो को दलदल में धकेल रहें हैं। आजकल के माता-पिता बहुत ज़्यादा मार्डन है और उन्हें नंगापन, बॉयफ्रेंड और मार्डन परिवेश बेहद आकर्षित करती है।

कुछ जीव माइक्रोप्लास्टिक को खाते हैं और उसे बहुत बड़े खतरे में बदल देते हैं

अवीव विश्वविद्यालय के नेतृत्व में किए गए एक अध्ययन में चिंताजनक जानकारी सामने आई है कि समुद्री पारिस्थितिक तंत्र के भीतर माइक्रोप्लास्टिक कण कैसे परिवर्तित होते हैं, जिससे समुद्र के खाद्य जाल के स्वास्थ्य के लिए नई चुनौतियाँ पैदा होती हैं। शोध इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे फिल्टर-फीडिंग समुद्री जीव माइक्रोप्लास्टिक्स के व्यवहार और संरचना को बदल देते हैं, जिससे समुद्री पर्यावरण के लिए अप्रत्याशित जोखिम पैदा होते हैं।

माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण की जांच जबकि पिछले शोध में समुद्री जानवरों द्वारा माइक्रोप्लास्टिक ग्रहण करने के खतरों का दस्तावेजीकरण किया गया था, यह अध्ययन एक कदम आगे बढ़कर यह पता लगाता है कि फिल्टर फीडरों के पाचन तंत्र से गुजरने के बाद ये कण कैसे बदलते हैं। पीएचडी छात्र ईडन हरेल, प्रोफेसर नोआ शेनकर और तेल अवीव विश्वविद्यालय के प्रोफेसर इनेस ज़ुकर द्वारा संचालित, अध्ययन एस्किडियन - समुद्री जानवरों पर केंद्रित है जो पानी से छोटे कणों को कुशलता से फ़िल्टर करते हैं। निष्कर्षों से पता चलता है कि फिल्टर फीडर और माइक्रोप्लास्टिक्स के बीच की बातचीत इन कणों के प्रसार और परिवर्तन में कैसे योगदान करती है। शेनकर ने बताया, ÷हमारा लक्ष्य यह जांचना था कि समुद्री जीव के पाचन तंत्र से गुजरने के बाद प्लास्टिक कैसे और कैसे बदलता है और यह प्रक्रिया प्लास्टिक की उपस्थिति और अन्य जीवों में इसकी उपलब्धता को कैसे प्रभावित करती है।÷ फ़िल्टर फीडर माइक्रोप्लास्टिक को कैसे बदलते हैं एक नियंत्रित प्रयोगशाला प्रयोग का उपयोग करते हुए, शोधकर्ताओं ने जलोदर युक्त समुद्री जल वातावरण का अनुकरण किया और दो प्रकार के माइक्रोप्लास्टिक कणों को पेश किया। इन कणों में पॉलीस्टाइनिन (पीएस), एक सामान्य पारंपरिक प्लास्टिक, और पॉलीलैक्टिक एसिड (पीएलए), एक बायोडिग्रेडेबल बायोप्लास्टिक शामिल है जिसे पर्यावरण के अनुकूल के रूप में विपणन किया जाता है। टीम ने 48 घंटों तक निस्पंदन, पाचन और उत्सर्जन प्रक्रियाओं की निगरानी की। परिणामों से पता चला कि दोनों प्रकार के प्लास्टिक के बीच काफी अंतर है। एस्किडियन ने दो घंटे के भीतर पानी से 90त्र पॉलीस्टाइन कणों को हटा दिया, लेकिन पाचन के 48 घंटे बाद ये कण पानी में फिर से शामिल हो गए। दूसरी ओर, पॉलीलैक्टिक एसिड कणों की सांद्रता में काफी कमी आई और वे निम्न स्तर पर बने रहे। बड़े पीएलए कण पाचन के दौरान टूटते हुए दिखाई दिए - संभवतः छोटे, ज्ञानी नैनोकणों के रूप में पानी में लौट आए। इन निष्कर्षों से पता चलता है कि जहां कुछ माइक्रोप्लास्टिक अपने मूल रूप में बने रहते हैं, वहीं अन्य छोटे कणों में विभाजित हो सकते हैं, जिससे संभावित रूप से उनका पर्यावरणीय प्रभाव बढ़ सकता है। प्लास्टिक कार्बनिक पदार्थ के रूप में छिपा हुआ है पाचन के दौरान माइक्रोप्लास्टिक में होने वाले परिवर्तनों को समझने के लिए, टीम ने एस्किडियन द्वारा उत्सर्जित कणों का विश्लेषण करने के लिए रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग किया। विश्लेषण से एक आश्चर्यजनक परिवर्तन का पता चला- प्लास्टिक के कण अब प्लास्टिक के रूप में पहचाने जाने योग्य नहीं थे। इसके बजाय, वे पाचन तंत्र में प्राप्त मल कोटिंग के कारण कार्बनिक पदार्थ प्रतीत होते थे। ÷हमारे निष्कर्षों से पता चला है कि माइक्रोप्लास्टिक कण एक मल परत के साथ लेपित एस्किडियन के पाचन तंत्र से उत्सर्जित होते हैं, और यह संभावना है कि समुद्री पर्यावरण भी इन कणों को इस कार्बनिक पदार्थ के रूप में पहचानता है,÷ हरेल ने कहा। इस परिवर्तन से इन कणों के मल पर भोजन करने वाले अन्य समुद्री जानवरों द्वारा निगले जाने की संभावना बढ़ जाती है, जिससे माइक्रोप्लास्टिक खाद्य जाल में शामिल हो जाते हैं। फेकल कोटिंग बैक्टीरिया के उपनिवेशण और भारी

स्वस्थ लोकतंत्र के लिए एक मज़बूत और रचनात्मक विपक्ष आवश्यक है

विपक्ष एक आवश्यक प्रहरी है जो एक समृद्ध लोकतंत्र में सरकार की शक्ति पर नियंत्रण और संतुलन सुनिश्चित करता है। यह विभिन्न दृष्टिकोणों को व्यक्त करने, समाज के विभिन्न पहलुओं का प्रतिनिधित्व करने तथा सरकार को उसके कार्यों के लिए जवाबदेह बनाने के लिए आवश्यक है। सहिष्णुता, वास्तविक राजनीतिक विरोध, तथा विवादों को सौहार्दपूर्ण ढंग से निपटाने की नागरिकों की क्षमता में विश्वास, ये सभी लोकतंत्र के लिए पूर्वापेक्षाएँ हैं।

प्रियंका सौरभ

एक कमजोर और बिखरा हुआ विपक्ष चुपचाप खड़ा रह सकता है और बहुमत वाली पार्टी की तानाशाही और मनमर्जी को तानाशाही स्थापित करने की इजाज़त दे सकता है। यद्यपि सरकार के सुचारू संचालन के लिए एक स्वस्थ विपक्ष आवश्यक है, ताकि कभी-कभार होने वाली ज्यादतियों का प्रतिकार किया जा सके और अवरोधों को रोका जा सके, किन्तु विपक्ष की अनुपस्थिति समग्र रूप से लोगों की स्वतंत्रता और जीवन को खतरे में डाल देगी तथा कानून के शासन को भी ख़तरा पहुँचाएगी।

लोकतंत्र को मज़बूत बनाने के लिए सरकार और विपक्ष को मिलकर रचनात्मक रूप से काम करना होगा। लेकिन भारत में संसदीय बहसों में बढ़ते ध्रुवीकरण, बार-बार व्यवधान तथा गहन चर्चाओं पर बयानबाजी के प्रभुत्व के कारण विधायी विचार-विमर्श की गुणवत्ता और भी खराब हो गई है। अपर्याप्त नीतिगत चर्चा सरकार और विपक्ष के बीच वास्तविक बातचीत में बाधा डालती है। पक्षपातपूर्ण मुद्दों का उपयोग अक्सर उन महत्त्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करने के लिए किया जाता है, जिनके लिए व्यापक राष्ट्रीय सहमति की आवश्यकता होती है, जैसे विदेश नीति और तकनीकी विकास। संसदीय चर्चाओं की प्रभावशीलता तब कम हो जाती है जब राजनीतिक दुश्मनी के कारण चर्चा के बजाय अशांति पैदा होती है। सरकार का विधायी एजेंडा और विपक्ष के साथ सार्थक तरीके से बातचीत करने की अनिच्छा यह दर्शाती है कि वह अपने कार्यों की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। संसदीय प्रक्रियाओं द्वारा चर्चा और नीति सुधार को सुगम बनाया जाना चाहिए, लेकिन बढ़ती पक्षपातपूर्णता ने इन प्रक्रियाओं को कमजोर कर दिया है। महत्त्वपूर्ण नीतियों पर पूर्व-विधान परामर्श और चर्चाएँ अधिक प्रयास से नहीं हो पा रही हैं। सरकार को नियंत्रण और संतुलन बनाए रखने के लिए एक मज़बूत विपक्ष की आवश्यकता है। इस बात को समझते हुए, अमेरिकी संस्थापकों ने सरकार के कई स्तर स्थापित किये। वे बड़ी सरकार को लेकर बहुत सतर्क थे, यही कारण है कि उन्हें लगता था कि इसे चलाना कठिन और जटिल है। वे अन्य सदस्यों द्वारा कानून पारित होने से रोकने के लिए वैध लेकिन अनैतिक साधनों के प्रयोग से अनभिज्ञ थे। विधेयक पर बात-चीत करते हुए उसे समाप्त कर देना या विधेयक पर बात न करना का तात्पर्य अनावश्यक भाषणबाजी और समय की बर्बादी से है जिसका उद्देश्य किसी सार्थक विधेयक या कानून को वास्तव में पारित होने से रोकना होता है। विपक्ष सरकार में तोड़फोड़ कर सकता है और कानूनों को पारित होने से रोक सकता है, जिससे वे अप्रभावी हो जाएंगे। मज़बूत विपक्ष के अभाव में वर्तमान सरकार निरंकुश और गैर-जवाबदेह हो जाती है और वह ऐसे कानून बना सकती है जो कुछ लोगों या किसी विशिष्ट जनजाति या समूह को लाभ पहुँचाते हैं। जैसा कि कहा गया है, सत्ता भ्रष्ट करती है और खेद की बात है कि ऐसा होता भी है। अतीत के कथित परोपकारी राजा वास्तव में अधिकार के पदों पर नहीं थे। 1960 के दशक में पहली बार नाइजीरियाई सैन्य अधिग्रहण से पहले, देश में मज़बूत विपक्ष था। हालांकि, फूट डालो और राज करो की रणनीति, तथा देशद्रोह के आरोप में नेता को जेल में डालकर इसे कुचलने में सफल रहे। परिणामस्वरूप, लोगों ने उन सभी लोगों को मार डाला जिन्हें वे भ्रष्ट मानते थे, क्योंकि उन्हें लगा कि उनकी शिकायतों पर सुनवाई नहीं हो रही है और सरकार गैर-जवाबदेह और भ्रष्ट हो गई है। इसके परिणामस्वरूप तख्तापलट हुआ। मुख्यत: एक विशिष्ट जनजाति से सम्बंधित राजनेताओं की हत्या के बाद गृहयुद्ध छिड़ गया। भले ही नेता को यह विश्वास हो कि वह लोगों के सर्वोत्तम हित में कार्य कर रहा है, लेकिन यदि मामले में उनकी कोई बात नहीं सुनी जाएगी तो लोग उत्पीड़ित महसूस करेंगे। किसी वर्तमान या भूतपूर्व नेता द्वारा जनता के प्रतिनिधियों को सम्बोधित करने तथा अपने कार्यों के लिए उत्तरदायी ठहराए जाने की क्षमता अद्भुत है। सभी तानाशाह प्रेस में किसी भी प्रकार की असहमति को दबाने से शुरुआत करते हैं, जो एक अन्य महत्त्वपूर्ण तत्व है। इसके बाद उन्हें गैर-सरकारी संगठनों पर हमला करने का अवसर मिलता है।

राजनीतिक बयानबाजी के बजाय नीति पर ज़ोर देना संसदीय कार्यप्रणाली में सुधार का एक तरीक़ा है। संसदीय चर्चाओं में पुराने ज़माने के दोषारोपण या चुनाव प्रचार की तुलना में शासन सम्बंधी मुद्दों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। विपक्ष और सत्तारूढ़ पार्टी के बीच लगातार, संगठित संपर्क से मुद्दा-आधारित संवाद को बढ़ावा मिल सकता है और टकराव से बचने में मदद मिल सकती है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि नीतिगत चर्चाएँ फलदायी बनी रहें, संसदीय समितियों जैसे तंत्रों को मज़बूत किया जाना चाहिए। तात्कालिक राष्ट्रीय मुद्दों पर नियमित चर्चा के माध्यम से सरकार की कार्यवाही को स्पष्ट करना कुछ ऐसा है जो प्रधानमंत्री और अन्य महत्त्वपूर्ण मंत्रियों को करना चाहिए। प्रश्नकाल और संगठित नीतिगत चर्चा जैसे मंचों को पुनर्जीवित करके जवाबदेही की गारंटी देना संभव है। राजनीतिक विभाजन पैदा करने के बजाय, विदेश नीति, विकास और आर्थिक परिवर्तन को दलीय मुद्दों के रूप में देखा जाना चाहिए, जिन पर दीर्घकालिक आम सहमति की आवश्यकता है। चर्चाओं के लिए अधिक कठोर नियम और नैतिक मानदंड स्थापित करके संसदीय व्यवधानों को कम किया जाना चाहिए। शिष्टाचार बनाए रखने और न्यायसंगत भागीदारी की गारंटी देने में अध्यक्ष और संसदीय समितियों की भूमिका को बढ़ाना आवश्यक है। रचनात्मक आलोचना विपक्षी दल की भूमिका होनी चाहिए। विपक्ष के कारण मुद्दों और विधेयकों पर अधिक बहस और चर्चा होती है; अन्यथा, उन्हें बिना किसी चर्चा या दूसरों की ज़रूरतों पर विचार किए पारित कर दिया जाएगा, जो लोकतंत्र के लिए घातक होगा और इसे निरंकुशता में बदल सकता है। किसी महत्त्वपूर्ण मुद्दे पर, विपक्षी पार्टी ही युद्ध के लिए उतरेगी।

प्रभावी शासन के लिए सरकार और विपक्ष के बीच रचनात्मक सहयोग की आवश्यकता होती है। चूंकि सरकार ही मुख्य प्रभारी निकाय है, इसलिए यह उसका कर्तव्य है कि वह किसी समझौते पर पहुँचने के प्रयासों का नेतृत्व करे तथा यह सुनिश्चित करे कि संसद में चर्चा राजनीतिक दरार को बढ़ाने के बजाय भारत की समस्याओं के समाधान पर केंद्रित हो। किसी लोकतंत्र में विपक्ष की सक्रियता और ताकत अक्सर उसके स्वास्थ्य का सूचक होती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राकेश व्यास द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप , 11 प्रेस कॉम्प्लेक्स जोन -1 , एमपी नगर , भोपाल - 462011 (मप्र) से मुद्रित एवं प्लाट नम्बर 3, साई दिशा कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एमपी नगर, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक राकेश व्यास, मो : - 09977701999, समूह संपादक सुनील दत्त तिवारी, मो :- 9713 289999, संपादक- ऋषिकान्त सिंह (रजत) परिहार , मो :- 09425002527, फोन: 0755-4222349, ईमेल आईडी: madhyaswarnim@gmail.com समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार होंगे। आरएनआई रजिस्टर्ड क्रमांक:- MPHIN/2013/52452

बोर्ड परीक्षाओं के लिये शासकीय कन्या उमावि शिंदे की छावनी से बटेगी परीक्षा की सामग्री

जिला पंचायत सीईओ ने लिया व्यवस्था का जायजा, राजीव प्लाजा से वितरण केन्द्र तक वाहनों का आवागमन रहेगा प्रतिबंधित

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)। जिले में माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा आयोजित बोर्ड परीक्षाओं के लिये प्रश्न-पत्र व उत्तर पुस्तिकायें सहित अन्य परीक्षा सामग्री का वितरण जयेन्द्रगंज स्थित शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शिंदे की छावनी से वितरित की जायेगी। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विवेक कुमार ने गुरुवार को वितरण केन्द्र की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विवेक कुमार ने निरीक्षण के दौरान कहा कि राजीव प्लाजा से परीक्षा सामग्री वितरण केन्द्र यानि शासकीय कन्या उमावि शिंदे की छावनी तक की एप्रोच रोड दुपहिया, तीन पहिया व चार पहिया वाहनों के लिये आवागमन पूर्णत: प्रतिबंधित रखा जायेगा, जिससे परीक्षा सामग्री वितरण में बाधा उत्पन्न न हो।

उन्होंने शासकीय सेवकों को भी इस व्यवस्था का पालन करने के निर्देश दिए। ज्ञात हो मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मण्डल के तहत हायर सेकेण्ड्री (12वी) की परीक्षायें 25 फरवरी से शुरू होकर 25 मार्च तक आयोजित होंगीं। इसी तरह हाई स्कूल (10वी) की परीक्षा 27 फरवरी से शुरू होकर 21 मार्च तक चलेंगीं। जिला पंचायत सीईओ श्री विवेक कुमार ने स्ट्रांग रूम, प्रश्न-पत्र व उत्तर पुस्तिका वितरण स्टॉल पार्किंग व्यवस्था इत्यादि का निरीक्षण किया। साथ ही सुव्यवस्थित ढंग से परीक्षा सामग्री वितरित करने के लिये की गई बैरीकेटिंग देखी। उन्होंने इस अवसर पर निर्देश दिए कि सभी केन्द्राध्यक्ष निर्धारित समय पर परीक्षा सामग्री प्राप्त करने के लिये वितरण केन्द्र पहुँचें। साथ ही वे खुद वाहन लेकर न आएं, क्योंकि उन्हें परीक्षा सामग्री लेकर विशेष बस से परीक्षा केन्द्र तक पहुँचना होगा। साथ ही निर्देश दिए कि परीक्षा सामग्री पहुँचाने के लिये लगाई गई बसें भी समय पर पहुँच जाएं।

जिला शिक्षा अधिकारी श्री अजय कटियार ने बताया कि जिले के ग्रामीण क्षेत्र में स्थापित सभी 34 परीक्षा केन्द्रों के लिये परीक्षा सामग्री का वितरण 21 फरवरी को प्रात: 10 बजे किया जायेगा। शहरी क्षेत्र के 58 परीक्षा केन्द्रों को सामग्री वितरण का काम 22 फरवरी को होगा। प्रश्न-पत्र सहित सभी प्रकार की परीक्षा सामग्री पुलिस अभिरक्षा में विशेष वाहनों अर्थात बसों द्वारा भेजी जायेगी। प्रश्न-पत्र संबंधित पुलिस थाने में कड़ी सुरक्षा के बीच रखे जायेंगे।

ग्वालियर जिले को हर दृष्टिकोण से एक आदर्श शहर बनायेंगे

लक्ष्मण तलैया के जीर्णोद्धार, वार्ड-33 में विभिन्न विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने शहर के वार्ड-33 के अंतर्गत लक्ष्मण तलैया जीर्णोद्धार कार्य व सीसी रोड निर्माण सहित अन्य विकास कार्यों का भूमि पूजन किया। ये कार्य एक करोड 51 लाख रूपये की लागत से होने जा रहे हैं।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उपनगर ग्वालियर में विकास के नये नये आयाम लिखे जा रहे हैं। इसी क्रम में लक्ष्मण तलैया जैसे ऐतिहासिक स्थल का जीर्णोद्धार होने जा रहा है। उन्होंने कहा हमारा लक्ष्य है, ग्वालियर हर दृष्टिकोण से एक आदर्श शहर बने, जहां हर नागरिक को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हों। मंत्री तोमर ने कहा कि लक्षण तलैया के जीर्णोद्धार के साथ-साथ यहाँ पर एलईडी लाइट, वाटर फाउंटेन, बैंच, शौचालय, बच्चों के खेलने के लिए ग्राउंड आदि कार्य कराये जाएगें। सरकार का प्रयास है कि लक्ष्मण तलैया एक टूरिस्ट प्लेस बने और पर्यटक लक्ष्मण तलैया को देखने आएं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जीर्णोद्धार के साथ ही इसके रखरखाव की जिम्मेदारी भी तय की जाए। तोमर ने कहा ग्वालियर का वैभव पुराने स्वरूप में दिखे। इसी उद्देश्य से सरकार द्वारा एतिहासिक स्थलों को संवारने का कार्य किया जा रहा है। ऊर्जा मंत्री तोमर ने खल्लासीपुरा पम्प हाउस से नौगजा रोड एवं आसपास की गलियों में सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमि पूजन करते हए कहा कि शहर को स्वच्छ, स्वस्थ एवं हरा भरा बनाये रखने के लिए आमजन को स्वच्छता में सहयोग करना होगा। इस बार शहर को स्वच्छता में अव्वल स्थान पर लाना है। इसके लए हमें अपने घरों से स्वच्छता की आदत डालनी होगी। कहीं भी कचरा न फेंके, कचरा सिर्फ कचरा वाहन में ही डालें।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

21 फरवरी को होगा किसान मेला एवं अखिल भारतीय कृषि औद्योगिक प्रदर्शनी का आयोजन

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)। राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय में 21 फरवरी को अखिल भारतीय कृषि औद्योगिक प्रदर्शनी एवं किसान मेला का आयोजन होगा। प्रदेश के किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना के मुख्य आतिथ्य में प्रात: 11 बजे उदघाटन कार्यक्रम आयोजित होगा। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय झाँसी के कुलपति डॉ. ए के सिंह, गुजरात के प्राकृतिक खेती और जैविक कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सी के टिंबाडिया, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. स्मिता सहस्त्रबुद्धे एवं राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर के कुलगुरू प्रो. अरविंद कुमार शुक्ला मौजूद रहेंगे।

जिले के किसान भाईयों के लिये कृषि फार्म आंतरी पर गन्ना बीज उपलब्ध

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)। शासकीय कृषि फार्म आंतरी में गन्ना बीज उपलब्ध हैं। जिले के किसान भाई 475 रूपए प्रति क्विंटल के हिसाब से गन्ना बीज प्राप्त कर सकते हैं। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा आंतरी में स्थापित कृषि फार्म में विभाग द्वारा एक हैक्टेयर रकबे (पाँच बीघा) में गन्ने की सीओ-15023 किस्म के बीज का उत्पादन किया गया है। विस्तृत जानकारी के लिये फार्म प्रभारी श्री रणवीर सिंह मावई (मोबा. 9009899117) या प्राचार्य कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण केन्द्र आंतरी जगदीश नरवरिया के मोबाइल नं. 9826472998 पर संपर्क किया जा सकता है।

घायल व्यक्ति की मौत के बाद हत्या में तब्दील हुआ मामला

उज्जैन (मध्य स्वर्णिम)। उज्जैन के देसाई नगर में 31 जनवरी की रात जन्मदिन समारोह के दौरान डीजे की तेज आवाज को लेकर हुआ विवाद हत्या के मामले में बदल गया। 31 जनवरी की रात रहवासियों और जन्मदिन मनाने वाले युवकों के बीच जमकर हथियार चले थे। इसमें डीजे की धुन पर जन्मदिन मना रहे बदमाशों को रोकने पर हुए विवाद में एक व्यक्ति घायल हुआ था। गुरुवार को उसकी मौत हो गई। मौत के बाद यह मामला हत्या में तब्दील हो चुका है। जानकारी के अनुसार देसाई नगर में रहने वाला स्वयं त्रिपाठी 31 जनवरी को अपना जन्मदिन मना रहा था। तभी डीजे लगाकर दोस्तों के साथ सड़क पर शोर मचाने लगा। इस दौरान कुछ रहवासियों ने जब इसका विरोध किया और जोगेंद्र सिंह गौड़ ने डीजे की आवाज कम करने को कहा तो स्वयं त्रिपाठी ने अपने साथियों के साथ विवाद किया। इसके बाद जोगेंद्र ने पुलिस को बुला लिया। पुलिस पहुंचती इससे पहले स्वयं और उसके साथ जोगेंद्र के घर में घुस गया और उसने लाठी, तलवार, चाकू और अन्य हथियारों से हमला कर दिया।

पश्चिम मप्र के सभी जिला मुख्यालयों पर स्मार्ट मीटर स्थापना

इंदौर (मध्य स्वर्णिम)। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा पंद्रहवें जिला मुख्यालय बुरहानपुर में भी अत्याधुनिक स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य विधिवत प्रारंभ कर दिया गया है। यहां एक हजार स्मार्ट मीटर स्थापित कर दिए गए हैं। इससे पहले इंदौर, उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर, रतलाम, मंदसौर, नीमच, खरगोन, खंडवा, बड़वानी, आलीराजपुर, झाबुआ, धार में स्मार्ट मीटर स्थापित करने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया था। कंपनी के झाबुआ और खरगोन जिला मुख्यालय शत प्रतिशत स्मार्ट मीटर वाले शहर घोषित कर दिए गए हैं। कंपनी क्षेत्र में सबसे ज्यादा स्मार्ट मीटर इंदौर शहर में 4.75 लाख स्थापित कर दिए गए हैं। वहीं कंपनी क्षेत्र के 45 नगरीय निकायों में अब तक 10 लाख 50 हजार से ज्यादा स्मार्ट मीटर स्थापित कर दिए गए हैं। प्रतिदिन स्मार्ट मीटरीकरण कार्य जारी हैं।

विश्व सामाजिक न्याय दिवस पर आईटीआई में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन हुआ

देवास (मध्य स्वर्णिम)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली, राज्य विधिक सेवा कार्यक्रम जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवास श्री अजय प्रकाश मिश्र की अध्यक्षता में विश्व सामाजिक न्याय दिवस पर विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन आईटीआई प्रशिक्षण महाविद्यालय में किया गया। शिविर प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री अजय प्रकाश मिश्र ने कहा कि संविधान की प्रस्तावना में सभी नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय का आश्वासन दिया गया है। इन सिद्धांतों का मकसद लोगों को सामाजिक,आर्थिक न्याय देना और भारत को एक कल्याणकारी राज्य बनाना है। उन्होंने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 17 के प्रावधान के बारे में बताया।

आरओआर लिकिंग शिविरों में अनुपस्थित चार पटवारियों का एक दिन का वेतन काटा

देवास (मध्य स्वर्णिम)। जिले में फार्मर पंजीयन और आधार से खसरो के लिकिंग कार्य के लिए शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। तहसीदारों द्वारा शिविरों का निरीक्षण भी किया जा रहा है। उदय नगर तहसीलदार द्वारा ग्राम पानकुआ, रामपूरा, गुराड़दा, पाण्डुतालाब का निरीक्षण करने पर पटवारी सुश्री निधि सिकरवार, श्रीमती पिंकी मुजाल्दे, श्री सुमित वाने एवं श्री कमल किशोर शिविर में उपस्थित नहीं पाये जाने पर इन पटवारियों का एक दिन का वेतन काटने की कार्यवाही की गई।

अतिथि शिक्षकों की सेवाएं 30 अप्रैल तक बढ़ाई गई

देवास (मध्य स्वर्णिम)। प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में शैक्षणिक व्यवस्था में रिक्त पदों के विरूद्ध सत्र 2024-25 में अतिथि शिक्षकों की सेवाएं ली गई हैं। लोक शिक्षण संचालनालय ने इस शैक्षणिक वर्ष में विद्यालय में व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित करने के लिये अतिथि शिक्षकों की सेवाएं 30 अप्रैल 2025 तक बढ़ा दी हैं। इस संबंध में संचालनालय ने समस्त जिला शिक्षा अधिकारी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, संकूल प्राचार्य और शाला प्रभारियों को निर्देश जारी किये गये हैं।

जिले के गांव-गांव में ई-केवायसी व किसानों की फार्मर आईडी लिंक करने का काम जारी

गुरुवार को बरई व खेड़ा वीरान सहित अन्य गाँवों में बनाई गईं फॉर्मर आईडी

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

जिले के गाँव-गाँव में किसानों की फॉर्मर आईडी, ईकेवायसी, भू-लेख रिकॉर्ड की आधार से लिंकिंग व आधार से बैंक खाते लिंक करने का काम जारी है। इस क्रम में गुरुवार को जिले के ग्राम बरई व खेड़ा वीरान सहित अन्य गाँवों में पटवारी, ग्राम पंचायत सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक सहित अन्य मैदानी कर्मचारी पहुँचे और किसानों की ऑनलाइन फार्मर आईडी बनवाई और ई-केवायसी का काम भी कराया। एसडीएम डबरा श्री दिव्यांशु चौधरी ने डबरा के ग्राम खेड़ा वीरान पहुँचकर फार्मर आईडी व ई-केवायसी कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने राजस्व विभाग के अधिकारियों से कहा कि इस कार्य की लगातार मॉनीटरिंग करें और ग्रामीणों को इसके प्रति जागरुक भी करें। कलेक्टर रुचिका चौहान ने किसान भाईयों से भी अपील की है कि वे अपनी फॉर्मर आईडी अवश्य बनवा लें। किसान सम्मान निधि सहित अन्य योजनाओं का लाभ अब उन्ही किसानों को मिलेगा, जिनकी फॉर्मर रजिस्ट्री अर्थात फॉर्मर आईडी बन जायेगी। साथ ही पीएम किसान पोर्टल पर ईकेवायसी, भू-अभिलेख रिकॉर्ड की आधार से लिंकिंग एवं बैंक खाते से आधार लिंक कराकर डीबीटी (डायरेक्ट बेनीफिट ट्रांसफर) कराना भी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिये अब अनिवार्य हो गया है।

विद्युत कार्मिकों को बताई सुरक्षा व सावधानी संबंधित बातें, तीन सौ कार्मिकों की ट्रेनिंग

डिस्चार्ज राड, ग्लोब्ज, हेलमेट के प्रयोग समझाएं

इंदौर (मध्य स्वर्णिम)।

बिजली सेवा आकस्मिक सेवा हैं, इसमें बिजली का काम करने वाले लोकसेवकों को सुरक्षा, सतर्कता, सजगता, सावधानी से कार्य करना चाहिए, सावधानी हटी-दुर्घटना घटी... इन्हीं बातों के समझाते हुए इंदौर ग्रामीण वृत्त एवं इंदौर शहर वृत्त के उत्तर संभाग की सेफ्टी ट्रेनिंग का आयोजन तुकोगंज स्थित होटल में किया जा रहा हैं। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र इंदौर ग्रामीण वृत्त के अधीक्षण यंत्री डॉ. डीएन शर्मा ने बताया कि महू, इंदौर ग्रामीण, मांगलिया, सांवेर, देपालपुर, हातोद, बेटमा, गौतमपुरा, बूढ़ी बरलाई, कनाडिया, दूधिया, पीथमपुर, आगरा, अटाहेड़ा इत्यादि के 225 कर्मचारी विभिन्न सत्रों में भाग ले रहे हैं। डॉ. शर्मा ने कार्मिकों से सुरक्षा के लिए तनावमुक्त माहौल में विद्युत कार्य करने, अति आत्मविश्वास से दूर रहने के साथ ही सुरक्षा उपकरणों का भरपूर उपयोग करने को कहा एवं सुरक्षा शपथ भी दिलाई गई। चिकित्सा कर्मियों ने सीपीआर एवं प्राथमिक उपचार का डेमो भी दिया। विद्युत कार्मिकों को डिस्चार्ज राड, ग्लोब्ज, हेलमेट इत्यादि के उपयोग करने एवं इन्हें सही तरीके से इस्तेमाल करने की प्रक्रिया की ट्रेनिंग भी दी गई। इधर इंदौर शहर वृत्त के तहत उत्तर संभाग के 80 कार्मिकों की ट्रेनिंग भी प्रारंभ हुई। इसमें कार्यपालन यंत्री विनय प्रताप सिंह, अन्य अभियंता पप्पू परमार, उच्चदाब प्रकोष्ठ प्रभारी धर्मेंद्र पंवार आदि ने सुरक्षा नियम, सजगता, सावधानी रखने एवं अन्य महत्वपूर्ण विषय पर सारगर्भित उद्बोधन दिया।

इंदौर के स्टार्टअप ने त्रिची में बनाया नो लैंडफील एयरपोर्ट, मिली नंबर वन रैंकिंग

उत्पन्न कचरे को इकट्ठा करने, अलग करने और रिसायकल करने की प्रोसस प्लांट में हो रही है

इंदौर (मध्य स्वर्णिम)।

इंदौर आईआईटी पास आऊट छात्रों के स्टार्टअप स्वाह ने त्रिची के एयरपोर्ट को नो लैंडफील एयरपोर्ट बनाया है। परिसर में ही लगे प्लांट में कचरा रिसायकल होता है। गीले कचरे से खाद भी बनाई जा रही है। पहले एयरपोर्ट प्रबंधन को कचरे के निपटान के लिए नगर निगम पर निर्भर रहना पड़ता है, लेकिन अब कचरा परिसर से बाहर नहीं जाता है। एयरपोर्ट पर प्रतिदिन 800 से एक हजार किलो कचरा निकलता है। इंदौर के स्टार्टअप ने त्रिची अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे में डेढ़ करोड़ के इन हाउस ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (एसडब्ल्यूएम) रिसायकल प्लांट की शुरुआत की। हवाई अड्डे द्वारा उत्पन्न कचरे को इकट्ठा करने, अलग करने और रिसायकल करने की प्रोसेस रिसायकल प्लांट में हो रही है। स्टार्टअप के फाउंडर समीर शर्मा ने बताया कि नए संयंत्र के साथ हवाई अड्डा सस्टेनेबिलिटी के नए पायदान पर आ गया है और नो लैंडफिल एअरपोर्ट बन गया है। नया प्लांट नए टर्मिनल बिल्डिंग (एनआईटीबी) के डिपार्चर फ्लाईओवर के पास 300 वर्गमीटर भूमि पर बनाया गया है।स्वाहा द्वारा विकसित संयंत्र, बिना दुर्गंध उत्पन्न किए कुछ ही हफ्तों में कचरे को खाद में बदल देगा। पोषक तत्वों से भरपूर खाद प्रबंधन को सौंप दी जाएगी। हवाई अड्डे के निदेशक जी. गोपालकृष्णन ने कहा वर्तमान में, पूरे हवाई अड्डे, जिसमें कैफेटेरिया भी शामिल है, प्रतिदिन 500 से 1000 किलो कचरा उत्पन्न होता है। यह संयंत्र प्रतिदिन एक से दो टन कचरा संभाल सकता है। प्लास्टिक व अन्य ठोस कचरा स्क्रैप बनाकर बेचा भी जा रहा है।

इंदौर में अब अप्रैल में बढ़ेगी संपत्ति की गाइड लाइन, डेढ़ सौ नए इलाके जुड़ेंगे

इंदौर-खंडवा और इंदौर उज्जैन मार्ग को छहलेन किया जा रहा है

इंदौर (मध्य स्वर्णिम)।

एक अप्रैल से इंदौर के कुछ इलाकों की प्रॉपर्टी गाइडलाइन बढ़ाने की तैयारी कर ली गई है। गाइडलाइन बढ़ाने का प्रस्ताव अक्टूबर माह में भी भेजा गया था, लेकिन प्रस्ताव को हरी झंडी नहीं मिली। अब पंजीयन विभाग ने सालभर में हुए सौदों का आकलन करते हुए उन इलाकों को चुना है, जहां गाइडलाइन तीन से लेकर दस प्रतिशत तक बढ़ेगी। इसके अलावा डेढ़ सौ से ज्यादा नए इलाके भी कलेक्टर गाइडलाइन के दायरे में आएंगे। इनमें ज्यादातर इलाके बाइपास और शहरी सीमा से सटे हुए हैं, जो नगर निगम सीमा में शामिल हो चुके हैं। नई कॉलोनियों और टाउनशिपों में दो साल पहले नगर निगम ने भी संपत्तिकर बढ़ाया था। मूल्याकंन समिति की बैठक में डेढ़ हजार से ज्यादा लोकेशन की गाइडलाइन बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी पहले ही दे चुकी है। अब उस प्रस्ताव को समिति सरकार के पास फिर से भेजेगी। इन इलाकों में दस से लेकर तीस प्रतिशत तक प्रॉपर्टी की गाइड लाइन में इजाफा होगा। यह बढ़ोतरी उन क्षेत्रों में होगी, जहां सालभर में सबसे ज्यादा रजिस्ट्री हुई और वर्तमान कलेक्टर गाइडलाइन से ज्यादा कीमत पर सौदे हुए।

गाइड लाइन से दो से तीन गुना कीमतों पर हुए सौदे : बीते साल इंदौर में तय गाइडलाइन से दो से तीन गुना कीमतों पर जमीनों के सौदे हुए है। सालभर में हुई खरीदी बिक्री के सौदों का आंकलन करते हुए उन क्षेत्रों में ही गाइडलाइन बढाने पर अफसरों ने फोकस किया है। इसके अलावा इंदौर शहर से जुड़े ग्रामीण क्षेत्रों में नई कॉलोनियां विकसित हो रही हैं। उनके पंजीयन के लिए भी पंजीयन कार्यालय के पास प्रस्ताव आए हैं। अभी 4000 से ज्यादा लोकेशन पर पंजीयन हो रहे हैं। नई गाइडलाइन आने के बाद 5500 से ज्यादा लोकेशन के लिए पंजीयन कार्यालय में दस्तावेज के पंजीयन हो सकेंगे।

यदि शिवाजी महाराज नहीं होते तो उनका नाम कैलाश की जगह कलीमुद्दीन होता : विजयवर्गीय

प्रदेश का मालवा क्षेत्र शिवाजी के कारण ही मुगलों के आंतक से बचा रहा

इंदौर (मध्य स्वर्णिम)।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने संबोधित करते हुए कहा कि मुगलों ने देश के कई हिस्सों में आक्रमण किए और हिन्दू परिवारों पर अत्याचार किए, लेकिन मालवा व उसके आसपास के क्षेत्र में मुगल प्रवेश नहीं कर पाए। इंदौर में शिवाजी जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि प्रदेश का मालवा क्षेत्र शिवाजी के कारण ही मुगलों के आंतक से बचा रहा। उन्होंने यह भी कहा यदि शिवाजी महाराज नहीं होते तो उनका नाम कैलाश की जगह कलीमुद्दीन होता। उनके इस बयान की बड़ी चर्चा है। इंदौर के नेहरू स्टेडियम स्थित शिवाजी प्रतिमा स्थल पर शहर के कई सामाजिक व राजनीतिक संगठनों के लोग व राजनेता माल्यार्पण करने पहुंचे थे। प्रतिमा पर पुष्पहार चढ़ाने के बाद मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने संबोधित करते हुए कहा कि मुगलों ने देश के कई हिस्सों में आक्रमण किए और हिन्दू परिवारों पर अत्याचार किए, लेकिन मालवा व उसके आसपास के क्षेत्र में मुगल प्रवेश नहीं कर पाए। यदि शिवाजी महाराज नहीं होते तो उनका नाम कैलाश की जगह कलीमुद्दीन होता। उन्होंने कहा कि मालवा क्षेत्र की रक्षा मराठा शासकों ने की। शिवाजी प्रतिमा के अलावा विजयवर्गीय ने उनकी माता की प्रतिमा पर जाकर भी माल्यार्पण किया। प्रतिमा स्थल पर विजयवर्गीय के अलावा विधायक रमेश मेंदोला भी पहुंचे थे और वे एक रैली में भी शामिल हुए।

स्क्रैच और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग कर बच्चों ने बनाए ऐसे प्रोजेक्ट कि दंग रह गए अधिकारी

बच्चों ने तकनीकी समाधान पेश किए, जिन्हें प्रशासनिक अधिकारियों ने सराहा

उज्जैन (मध्य स्वर्णिम)।

उज्जैन में जिला प्रशासन, मुस्कान ड्रीम फाउंडेशन और डेल टेक्नोलॉजी के संयुक्त प्रयास से एक विशेष हैकथॉन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 32 सरकारी स्कूलों के 100 से अधिक छात्रों ने भाग लिया और 50 से अधिक प्रोजेक्ट्स को स्क्रैच और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक के माध्यम से प्रस्तुत किया। इन प्रोजेक्ट्स में छात्रों ने अपने आसपास की समस्याओं के अनोखे समाधान पेश किए, जिनमें पर्यावरण, मानसिक स्वास्थ्य, और महिला सुरक्षा जैसे मुद्दों पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी नीरज कुमार सिंह ने बच्चों की रचनात्मकता और उनके तकनीकी कौशल की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 21वीं सदी में आगे बढ़ने के लिए प्रॉब्लम-सॉल्विंग, लॉजिकल और क्रिटिकल थिंकिंग जैसे कौशल अत्यंत आवश्यक हैं। बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रोजेक्ट्स यह दर्शाते हैं कि वे नई-नई तकनीकों का उपयोग करके सामाजिक समस्याओं का समाधान खोजने में सक्षम हैं।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

भाजपा ने बनाए प्रधानमंत्री मोदी जी की मन की बात कार्यक्रम विधानसभा प्रभारी

बैतूल (मध्य स्वर्णिम)। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के महत्वकांक्षी कार्यक्रम मन की बात के विधानसभा प्रभारी बनाए गए है। उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत श्री नरेन्द्र मोदी जी महिने के हर अंतिम रविवार को रेडियो एवं टेलीविजन के माध्यम से देशवासियों से संवाद करते है। मान की बात कार्यक्रम के जिला प्रभारी नरेन्द्र गढेकर ने भाजपा प्रदेश नेतृत्व एवं जिलाध्यक्ष सुधाकर पंवार की अनुमति से बैतूल जिले की पांचो विधानसभाओं में विधानसभा प्रभारी बनाए गए है। जिला मीडिया सेंटर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार बैतूल विधानसभा में इंद्रपाल पुण्डे को विधानसभा प्रभारी, घोडाडोगरी विधानसभा में राजेन्द्र मालवीय, आमला विधानसभा में भगवंत सिंह रघुवंशी, भैसदेही विधानसभा से देवीसिंह ठाकुर एवं मुलताई विधानसभा से मनीष माथनकर को मन की बात कार्यक्रम का विधानसभा प्रभारी बनाया गया है।

अतिथि शिक्षकों की सेवाएं 30 अप्रैल तक बढ़ाई गई

रायसेन (मध्य स्वर्णिम)। प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में शैक्षणिक व्यवस्था में रिक्त पदों के विरूद्ध सत्र 2024-25 में अतिथि शिक्षकों की सेवाएं ली गई हैं। लोक शिक्षण संचालनालय ने इस शैक्षणिक वर्ष में विद्यालय में व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित करने के लिये अतिथि शिक्षकों की सेवाएं 30 अप्रैल 2025 तक बढ़ा दी हैं। इस संबंध में संचालनालय ने समस्त जिला शिक्षा अधिकारी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, संकूल प्राचार्य और शाला प्रभारियों को निर्देश जारी किये गये हैं।

लहगडुआ में दुर्घटनाग्रस्त इनोवा कार का सामान चोरी

परासिया (मध्य स्वर्णिम)। तामिया परासिया मार्ग पर लहगडुआ में खाई में गिरी इनोवा कार से अज्ञात चोरों ने सामग्री चोरी कर ली। कार से बैटरी डीजल और साउंड सिस्टम चुरा लिया गया। बुधवार की शाम इनोवा दुर्घटनाग्रस्त हुई थी। इनोवा सवार यात्री महाराष्ट्र के चंद्रपुर के घुगघुस के निवासी है। महादेव मेले से दर्शन करके वे वापस लौट रहे थे। लहगडुआ में हनुमान मंदिर के समीप स्टेरिंग और ब्रेक फेल होने से कार सीधे खाई में उतर गई। दुर्घटना में पांच लोगों को चोट आई है। इसमें से एक को गंभीर चोट आई थी। सभी उपचार के लिए परासिया अस्पताल में भर्ती थे। गुरुवार को वे अपनी कार को निकालने के लिए पहुंचे। कार निकालने के लिए ट्रैक्टर और मजदूर लेकर वे गए थे। जब कार के पास पहुंचे तो पता चला की कर से सामग्री चोरी चली गई है। कार सवारी यात्री दत्ता ने बताया कि कर का साउंड सिस्टम और बैटरी चुरा ली गई है। डीजल भी चुरा लिया गया है। कार में लगी एलसीडी को खोलने का प्रयास किया गया। लेकिन वह खुल नहीं पाई। जिससे चोरी जाने से बच गई। गौरतलब है परासिया तामिया मार्ग पर जब भी कोई दुर्घटना होती है। दुर्घटनाग्रस्त वाहन से सामग्री चुरा ली जाती है। पीड़ित की जान का नुकसान तो होता ही है। उनको अपना माल भी गवाना पड़ता है। इस तरह के चोरों पर कार्रवाई की मांग की गई है।

उमरेठ में शिवाजी जयंती पर निकाली शोभायात्रा

परासिया (मध्य स्वर्णिम)। उमरेठ में बुधवार की रात शिवाजी जयंती पर शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा नगर के विभिन्न मार्गो से गुजरी। शिवाजी की प्रतिमा का नगर भ्रमण कराया गया। बड़ी संख्या में लोग शोभायात्रा में शामिल हुए। शोभा यात्रा नगर के नेहरू चौक सोनी मोहल्ला मुख्य मार्ग पुलिस थाना तहसील मोर डूंगरी मार्ग और बायपास मार्ग पर पहुंची मराठा वीर छत्रपति शिवाजी महाराज की जयकारे लोगों ने लगाई उत्साह के साथ सुबह यात्रा निकाली गई शिवाजी महाराज के शौर्य और बलिदान को याद किया गया।

'जन अभियान परिषद ने नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई

परासिया (मध्य स्वर्णिम)। ग्राम पंचायत मोरडोंगरी कला में गुरुवार को नशा मुक्ति अभियान चलाया गया। नागरिकों को नशे से मुक्त रहने की शपथ दिलाई गई। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद जिला समन्वयक अखलेश जैन, विकास खंड समन्वयक संजीव भावरकर के दिशा निर्देश पर सेक्टर क्रमांक दो उमरेठ के मेंटर शंकरराम प्रजापति द्वारा ग्राम पंचायत मोरडोंगरी कला में कार्यक्रम किया गया। मोरडोंगरी कला के ग्राम मुजावर पश्चिम रैयत के मवासी ढाना में नशा मुक्ति की शपथ दिलवाई गई,। जिसमें मुख्य रुप से ग्राम पंचायत मोरडोंगरी कला के उपसरपंच पंकज दुबे उपस्थित रहे,। वार्ड पंच ललिता लक्ष्मण शीलू, सचिव हीराचंद पवार, सहायक सचिव विनोद वायकर कर्मचारी गण प्रकाश यदुवंशी, संजू सल्लाम, ग्रामीण जन, जितू शीलू, खेमराज शीलू, सुनील शीलू, सहित लाड़ली बहने उपस्थित रही।

खिरसाडोह में मनाई शिवाजी जयंती

परासिया (मध्य स्वर्णिम)। ग्राम पंचायत खिरसाडोह में शिवाजी जयंती मनाई गई। इस अवसर पर शिवाजी का पूजन किया गया। उनके कार्यों को याद किया गया। इस अवसर परसंघ जिला प्रचारक अजय शुक्ला, अनुज पाटकर, उमरेट भाजपा मंडल अध्यक्ष रामप्रसाद कुमरे, मजदूर संघ के जिला मंत्री अर्जुन भारती, पीयूष बत्रा, संतोष डेहेरिया, पार्षद आयोजन समिति सयोजक ओमकार चंद्रवंशी कार्यकर्ता, विकास शिवहरे, सूरज कश्यप, रूपेश चिल्हसटे, सुमित सल्लाम, राजा वर्मा राजेश बंदेवार, शिशांत यादव सुमित ध्, संदीप ध्, अमित कुशराम, अंकेश राय, अविनाश ध्, आकाश ठाकुर, राहुल लोखंडे, गौतम उपस्थित रहे।

कलेक्टर अरुण विश्वकर्मा की अध्यक्षता में आबकारी विभाग की जिला निष्पादन समिति की बैठक सम्पन्न

वर्ष 2025-26 हेतु जारी आबकारी नीति के संशोधनों की दी गई जानकारी

रायसेन (मध्य स्वर्णिम)।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आबकारी विभाग की जिला निष्पादन समिति की बैठक कलेक्टर अरूण विश्वकर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में समिति के सदस्य एसपी पंकज पाण्डे, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया आदि मौजूद थे। सहायक आबकारी आयुक्त श्रीमती वंदना पाण्डेय ने बैठक में वर्ष 2025-26 हेतु जारी आबकारी नीति के प्रमुख प्रावधानों एवं वर्तमान नीति में गत वर्ष से हुए संशोधनों के बारे में बिन्दुवार अवगत कराया गया। नवीन नीति में अनुज्ञप्तिधारियों को कांट्रेक्टर रजिस्ट्रेशन पर पंजीयन कराने की बाध्यता होने से जिले के वर्तमान 20 समूहों के अनुज्ञप्तिधारियों को कांट्रेक्टर रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर पंजीयन कराए जाने के लिए निर्देशित किया गया। वर्तमान समस्त लायसेंसियों द्वारा कांट्रेक्टर रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर पंजीयन करा लिया गया है, यह विभाग द्वारा सुनिश्चित किया गया है।

अवैध मदिरा निरंतर करें कार्यवाही -कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आबकारी विभाग की जिला निष्पादन समिति की अयोजित बैठक में कलेक्टर अरूण विश्वकर्मा ने समस्त वृत उपनिरीक्षकों को अवैध मदिरा विक्रय पर निरंतर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। वही

अतिरिक्त सदस्य जिल सूचना अधिकारी दीपेन्द्र 2024-25 में प्राप्त वार्षिक मूल्य रूपए 3136615482 एवं 20 प्रतिशत वृद्धि पश्चात वर्ष 2025-26 का आरक्षित मूल्य 3763938588 है। वर्ष 2025-26 ठेका निष्पादन कार्यवाही प्रथमता- नवीनीकरण के माध्यम से निष्पादन किए जाने के लिए जिले के समस्त अनुज्ञप्तिधारियों की बैठक आहूत की गई जिसमें अनुज्ञप्तिधारियों से जारी नीति निर्देश के बारे में अवगत कराया गया। इसके अतिरिक्त अन्य इच्छुक आवेदकों को भी नवीन आबकारी नीति के बारे में अवगत कराया गया है।

प्रमुख सचिव ने वीसी के माध्यम से की गेहूं उपार्जन संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा

कलेक्टर ने जिले में गेहूं उपार्जन हेतु सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

रायसेन (मध्य स्वर्णिम)।

रबी विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीदी के संबंध में प्रमुख सचिव खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की अध्यक्षता में भोपाल तथा नर्मदापुरम संभाग की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान प्रमुख सचिव ने भोपाल एवं नर्मदापुरम संभाग में 01 मार्च 2025 से समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन का कार्य प्रारंभ किए जाने के निर्देश दिए गए। कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित वीसी कक्ष से कलेक्टर अरूण विश्वकर्मा तथा संबंधित अधिकारी वीसी के माध्यम से बैठक में सम्मिलित हुए। बैठक के उपरांत कलेक्टर अरूण विश्वकर्मा ने जिले में प्रमुख सचिव के निर्देशों के अनुरूप जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन हेतु व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन कार्य 18 अप्रैल 2025 तक चलेगा। उपार्जन केन्द्रों पर एफएक्यू गुणवत्ता का ही गेहूँ खरीदा जाए। कलेक्टर विश्वकर्मा ने उपार्जन केन्द्रों पर गेहूँ की सफाई हेतु पंखा, छन्ना आदि व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने, किसान भाईयों के लिए छायादार बैठक व्यवस्था, पेयजल आदि सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। किसान पंजीयन की जानकारी लेने पर अवगत कराया गया कि जिले में 20 जनवरी से 117 पंजीयन केन्द्रों में समितियों द्वारा निःशुल्क किसान पंजीयन किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त जिले में एमपी ऑनलाईन के 36, कॉमन सर्विस सेंटर के 141, साईबर कैफे आदि के माध्यम से 50 रू शुल्क के साथ किसान पंजीयन किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त किसान भाई स्वयं के मोबाईल से भी पंजीयन कर सकते हैं।

डाइट ने जोन स्तरीय प्रतियोगिताओं में जीते 28 पदक कबड्डी, हाई और लॉन्ग जंप में प्रथम स्थान हासिल किया

रायसेन (मध्य स्वर्णिम)।

डाइट के विद्यार्थियों ने विदिशा में आयोजित जोन स्तरीय खेलकूद व साहित्यिक प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। 17 से 20 फरवरी तक चली इन प्रतियोगिताओं में रायसेन के छात्रों ने कुल 28 पदक जीतकर ओवरऑल चैंपियनशिप हासिल की। प्रतियोगिताओं में रायसेन के खिलाड़ियों ने कई विधाओं में सफलता हासिल की। कबड्डी और हाई और लॉन्ग जंप में टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में रजनी इमने लंबी कूद मेंए बलीराम ने 800 मीटर दौड़ मेंए तपस्या लोधी ने शतरंज में शीर्ष स्थान हासिल किया। वाद.विवाद में रागिनी रघुवंशी और कविता लेखन में सेजल धाकड़ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। खिलाड़ियों का राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए हुआ चयन-डाइट की प्राचार्य कमला कुजूर ने विजेताओं को बधाई दी। सभी विजेता खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए किया गया है। क्रीड़ा प्रभारी किरण प्रसाद सिंह ने कहा कि भविष्य में डाइट रायसेन में और अधिक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। कार्यक्रम में पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी एमएल राठौरिया, संजीव जैन, कमलेश बहादुर,मनोहर सिंह राजपूत,समेत समस्त डाइट स्टाफ उपस्थित रहा।

40 नट परिवारों पर इस्लाम धर्म अपनाने का आरोप,डॉ अंबेडकर जन कल्याण समिति ने दर्ज कराई शिकायत

मानवाधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने 10 दिन में एसपी से मांगा जवाब

रायसेन (मध्य स्वर्णिम)।

जिले के गैरतगंज तहसील के पापड़ा गांव में अनुसूचित जाति के 40 नट समुदाय के परिवारों का इस्लाम धर्म अपनाने का मामला सामने आया है। डॉ अंबेडकर जन कल्याण समिति भोपाल के अध्यक्ष सुनील अहिरवार ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में बताया गया कि गांव में बच्चों और ग्रामीणों को मुस्लिम धर्म की शिक्षा दी जा रही थी। इन परिवारों ने इस्लाम धर्म अपनाने के बाद भी अनुसूचित जाति के आरक्षण का लाभ लेना जारी रखा। भारत सरकार की अधिसूचना संख्या 27 अगस्त 1950 के अनुसार हिंदू धर्म से बौद्ध या सिख धर्म अपनाने वालों को ही अनुसूचित जाति के आरक्षण का लाभ मिलता है। मुस्लिम धर्म अपनाने वालों को यह लाभ नहीं मिलना चाहिए। शिकायत में आरोप लगाया गया कि ये परिवार मुस्लिम धर्म अपनाने के बावजूद अनुसूचित जाति के आरक्षण का लाभ ले रहे हैं। यह प्रथम दृष्टया मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। आयोग ने मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 की धारा 12 के तहत मामले को संज्ञान में लिया। कलेक्टर और एसपी को धर्म स्वतंत्रता अधिनियम 2021 और एससी/एसटी अधिनियम,1989 के तहत जांच और कार्रवाई के निर्देश दिए गए। दस दिन में विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है।

आयोग ने 10 दिन में मांगी विस्तृत रिपोर्ट : मानवाधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने मामले को गंभीरता से लेते हुए रायसेन कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा और एसपी पंकज कुमार पाण्डेय से जवाब मांगा है। आयोग ने मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम के तहत मामले को संज्ञान में लिया है। अधिकारियों को धर्म स्वतंत्रता अधिनियम और एससी/एसटी अधिनियम के तहत जांच करने के निर्देश दिए गए हैं।

माथनी खदान में नहीं होंगे ट्रांसफर, सामान भी नहीं निकलेगा

परासिया (मध्य स्वर्णिम)। भारतीय कोयला खदान मजदूर संघ की गुरुवार को छह बजे पेंच एरिया प्रबंधन के साथ वार्ता हुई। वार्ता में प्रबंधन के साथ सकारात्मक नतीजे निकले। प्रबंधन खदान से मजदूरों के ट्रांसफर नहीं करने और सामान नहीं निकालने के के लिए सहमत हुआ। इसके बाद बीएमएस ने क्रमिक अनशन खत्म कर दिया। माथनी कोयला खदान को गैस के कारण प्रबंधन ने बंद कर दिया था। इसको लेकर बीएमएस ने स्टाईक नोटिस देकर क्रमिक अनशन शुरू किया था। वेकोलि पेंच एरिया प्रबंधन के साथ बीएमएस के स्थाई खान सुरक्षा समिति सदस्य भारत सरकार, नारायण राव सराठकर, पेंच कन्हान अध्यक्ष रामसिंह बघेल, महामंत्री तेज प्रताप शाही,कुंवर सिंह, संजय बावरिया भुवनेश्वर यदुवंशी, आशीष यादव, नरेश कुमरे, अशोक डोंगरे, अच्छेलाल गुप्ता, दिलिप निषाद आदि की उपस्थिति में वार्ता हुई। वार्ता के बाद अनशन स्थल पर जाकर अनशन पर बैठे कार्यकर्ताओं को दूध पिलाकर अनशन खत्म कराया गया।

चौरागढ के महादेव बाबा के दर्शन के लिए पैदल जाएंगे सांसद बंटी साहू

परासिया (मध्य स्वर्णिम)। सतपुडा की चोटी पर चौरागढ में महादेव बाबा के दर्शन के लिए पुरातन काल से मेला आयोजित होता है। शुक्रवार को इस मेले में अनूठा इतिहास जुडने वाला है। जिले के सांसद विवेक बंटी साहू सांगाखेडा के भूराभगत से पैदल चढाई कर महादेव बाबा के दर्शन के लिए निकलेंगे। सुबह साढे छह बजे वे छिंदवाडा से सफर शुरू करेंगे। सांगाखेडा भूराभगत में बाबा भूराभगत के दर्षन कर वे नौ बजे महादेव की यात्रा आरंभ करेंगे। इस मंदिर में हैलीकाप्टर से सांसद जरूर गए है। पहली बार सांसद बंटी साहू पैदल यात्रा कर पहाड पर पहुंचेगे।

शिवाजी महाराज जयंती पर निकाली यात्रा, शिवाजी महाराज के विचारों को अपनाने का किया आह्वान

रायसेन (मध्य स्वर्णिम)।

नगर में छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर युवाओं ने यात्रा निकाली। यात्रा सागर तिराहे से प्रारंभ हुई। जो यात्रा मुख्य मार्ग से होते हुए भारत माता चौराहा होकर सांची रोड तक पहुंची। युवा नेता शुभम उपाध्याय ने यात्रा के दौरान छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने सनातनी हिंदू युवाओं से एकजुट होने का आग्रह किया। साथ ही शिवाजी महाराज के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। हिंदू उत्सव समिति के कार्यकारी अध्यक्ष रवि खत्री यात्रा में उपस्थित रहे। यात्रा के दौरान युवाओं ने शिवाजी महाराज के जयघोष लगाए।

विधायक ट्रॉफी के चौथे दिन 4 मैच खेले गए : रायसेन। गुरूवार को नगर के भोपाल रोड़ पर स्थित खेल स्टेडियम में आयोजित विधायक ट्रॉफी के चौथे दिन चार मैच खेले गए। पहला मैच शैलेश 11 केटीआर के बीच खेला गया जिस में केटीआर 4 विकेट से मैच जीता लिया। जिसमें मेन ऑफ था मैच अंशुल को दिया गया। वही दूसरा मैच आशीष 11 और पठान 11 के बीच खेला गया जिस में आशीष 11 ने 34 रनों से मैच जीता,और आशीष 11 के खिलाड़ी अनित को मेन ऑफ दा मैच दिया गया। तीसरा मैच युवराज 11 व रायसेन 11 के बीच खेला गया जिस में रायसेन 11 ने आसानी से मैच जीत लिया शानदार पारी की वजह से मोनू यादव को मेन ऑफ मैच दिया गया। चौथा मैच जीतू 11 व शैलेश 11 के बीच खेला गया जिस में जीतू 11 ने यह मैच जीता। मैच में समिति के सदस्य दीपक थोरात,रवि गुरनानी ,मुशीर,मोनू, विजय नामदेव, हिम्मत राजपूत, सुमित आदि मौजूद थे।

उमरेठ के खजरी अंतु में बनेगा उप स्वास्थ्य केंद्र, शासकीय भूमि का अवलोकन किया

परासिया (मध्य स्वर्णिम)। उमरेठ के खजरी अंतु में उप स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण किया जाना है। इसको राजस्व कर्मचारियों के साथ भाजपा के प्रतिनिधियों ने शासकीय भूमि का अवलोकन किया। जिले के सांसद विवेक बंटी साहू के प्रयासो से ग्राम पंचायत खजरी अंतु मे 65 लाख की लागत से उपस्वाथ्य केंद्र की बिल्डिंग का निर्माण किया जाना है। इस भवन के निर्माण के लिये मंडल अध्यक्ष राकेश बेलवंशी ने आज शासकीय भूमि का अवलोकन किया। राजस्व एंव पंचायत विभाग के कर्मचारियो को आवश्यक दस्तावेज तैयार करने हेतु निर्देशित किया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत सरपंच नीरज कोलारे, पूर्व मंडल अध्यक्ष कमलेश धुर्वे, मंडल उपाध्यक्ष गण अंकुश जायसवाल, बाबी रघुवंशी, हेमेंद्र सिंह चौहान, नवीन जायसवाल, पटवारी किरण पवार पंचायत सचिव सहित अन्य ग्रामीण जन उपस्थित थे।

चरई कला में पाइपलाइन फोड़ने को लेकर विवाद

परासिया (मध्य स्वर्णिम)। बड़कुही पुलिस चौकी क्षेत्र के गांव चरई कला में खेत में पाइपलाइन फोड़ने को लेकर गुरुवार को विवाद हुआ। विवाद में दंपति को पीटा गया। मामले की शिकायत बड़कुही पुलिस चौकी में की गई। ग पुलिस ने दंपति का मुलाहजा कराया। घटना को लेकर सतीश यदुवंशी ने बताया कि वह अपनी पत्नी करुणा के साथ खेत में पानी भाग रहा था पड़ोसी संजय यदुवंशी ने उसकी पाइपलाइन को फोड़ दिया। उसने पाइपलाइन फोड़ने का कारण पूछा तो आरोपी ने पहले उसे मारा। उसके बाद उसकी पत्नी को भी पिटाई कर दी। उसकी पत्नी के हाथ और पैर में चोट आई है। सतीश को भी हाथ पैर और पीठ में चोट आई है पुलिस मामले की जांच कर रही है।

परीक्षा के पहले बच्चों को आवासीय क्लासेस से किया जा रहा तैयार

नितिन दत्ता तामिया (छिंदवाड़ा)

दसवीं और बारहवीं बोर्ड परीक्षा के ठीक पहले स्कूल में नवाचार कर बच्चो को तनावमुक्त कर परीक्षा की तैयारी कराने को लेकर सतपुड़ा इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल पांडुपिपरिया चर्चाओं में है यहां 15 दिन के लिए 30 छात्रों को आवासीय व्यवस्था के साथ अनुशासित विविध गतिविधियों के साथ तैयार किया जा रहा है। सतपुड़ा इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल पांडुपिपरिया के संचालक अमन साहू ने बताया कि कक्षा 12 और 10 की बोर्ड परीक्षा 25-27 फरवरी से शुरु हो रही है। 8 फरवरी से कक्षा 10 के 14 तथा 12 के 16 कुल 30 विधार्थियो के लिए आवासीय पढ़ाई कराने की व्यवस्था की गई है।

यहां बच्चे अलसुबह 4 बजे योग व्यायाम के साथ अनुभवी शिक्षकों के मार्गदर्शन में बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं। सुबह नाश्ते के बाद स्कूल की पढ़ाई के बाद शाम 5 बजे से 9 बजे तक फिर कक्षाएं लगती है। यहां पर हर विषय के शिक्षक विषयवार तैयारी करा रहे है। बीते 8 से 22 फरवरी तक के लिए रेसिडेंशियल स्पेशल क्लास प्रोग्राम में बच्चे उत्साह से जुटे है। पढ़ाई के साथ समय समय पर अन्य गतिविधियां होती है। प्रिंसीपल नम्रता डेनियल,अमित दत्ता,अलीसामा सोना अनिल सर अन्य शिक्षक जुटे हुए है। आदीवासी बहुल विकासखंड तामिया विकासखंड के एकमात्र सीबीएसई पैटर्न वाले पातालकोट रोड पांडुपिपारिया में स्थित सतपुड़ा इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल इन दिनों आगामी 15 दिनों के लिए आवासीय विधालय में बदल गया है। पालकों द्वारा परीक्षा के पहले बच्चो की पढ़ाई में लापरवाही की शिकायत आम है ऐसे में स्कूल के डायरेक्टर अमन साहू ने शिक्षा के क्षेत्र में नया प्रयोग किया है। यहां स्कूल में 30 छात्रो के लिए स्कूल के साढ़े नौ से चार बजे के समय के बाद डेढ़ घंटे के खेल कालखंड के बाद डेढ़ घंटे के तीन विषय की अलग अलग क्लास लगती है जिसमे प्रिंसीपल नम्रता डेनियल अंग्रेजी वाइस प्रिंसीपल अमित दत्ता,अलीसामा सोना अनिल सर अन्य शिक्षक विषयवार पढ़ा रहे है। डायरेक्टर अमन साहू ने बताया की अलसुबह मेडिटेशन योगा स्कूल की पढ़ाई और नाश्ते के बाद स्कूल के समय बच्चे रूटीन क्लासेस में रहते है। विशेष कक्षाओं के लिए आवासीय व्यवस्था ऊपरी हाल में की गयी है।

अंबाडा में तेज रफ्तार कार दो लोगों को रौंदकर टैंकर में घुसी, दोनों मौत

इवनिंग वाक कर रहे दो बुजुर्ग और कार सवार वृद्ध की मौत

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

परासिया जामई मार्ग पर गुरुवार की शाम एक तेज रफ्तार वेगनार कार ने सड़क पर इवनिंग वाक कर रहे दो बुजुर्गों को रौंद दिया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। बुजुर्गों को रौंदने के बाद कार समीप खड़े टैंकर में घुस गई। कार में सवार बुजुर्ग को जेसीबी मशीन की सहायता से बाहर निकालना पड़ा। बाद में उनकी भी मौत हो गई। दुर्घटना के बाद इवनिंग वाक पर निकले बुजुर्गों को परासिया अस्पताल लाया गया। यहां दोनों बुजुर्गों को मृत घोषित कर दिया गया। वही कार सवार घायल बुजुर्ग को कुछ देर बाद कार से निकालकर लाया गया। उनका उपचार किया गया। इसके बाद उनकी मौत हो गई। घटना को लेकर मिली जानकारी के अनुसार नंदन निवासी सूरज उइके अपने पुत्र के साथ वेगनार कार से परासिया से नंदन की ओर जा रहे थे। अंबाडा टोल नाके से कुछ आगे ऋषि ढाबे के सामने महादेव यादव और जवाहिर गुप्ता सड़क पर इवनिंग वॉक के लिए निकले थे। इसी दौरान कार चालक ने तेज रफ्तार लापरवाही से कार चलाते हुए दोनों बुजुर्गों को रौंद दिया और टैंकर में जाकर घुस गया। कार में सवार दमुआ के नंदन निवासी सूरज उइके को गंभीर चोट आई। उन्हें परासिया अस्पताल लाया गया। बाद में उनकी मौके पर मौत हो गई। कार चालक युवक मौके पर नहीं मिला। दुर्घटना में मृत जवाहित गुप्ता और महादेव पवार दोनों पडौसी है। वे रोजाना शाम को इवनिंग वाक के लिए जाते थे। आज भी दोनों साथ निकले और साथ ही दोनों की जान चली गई। आज उनका इवनिंग वाक अंतिम वाक बन गया।

भोपाल अब सिर्फ मध्यप्रदेश की राजधानी नहीं, बल्कि भारत के नए औद्योगिक भविष्य का प्रतीक बनने की ओर अग्रसर है। जीआईएस-2025 इसी परिवर्तन की मजबूत नींव रखने जा रहा है

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का शुभारंभ करेंगे। देश-विदेश के 20 हज़ार से अधिक निवेशक, उद्योगपति एवं अन्य महानुभाव होंगे शामिल। साथ ही 40 देशों के प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। समिट में शहरी विकास से लेकर आईटी तक, रिन्यूएबल एनर्जी से लेकर टूरिज्म तक - हर सेक्टर पर फोकस्ड सेशन्स होंगे। मध्यम, सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों हेतु एमएसएमई समिट एवं प्रवासी मध्यप्रदेश समिट आयोजित की जाएगी। ग्लोबल साउथ सेशन के माध्यम से विकासशील देशों के साथ नई साझेदारी की संभावनाएं तलाशी जाएंगी। जीआईएस इनोवेटर्स, स्टार्ट-अप्स फ़ाउंडर्स और उद्योग लगाने वाले युवाओं के लिये बिज़नेस ग्रो करने का सुनहरा अवसर है। मध्यप्रदेश तेजी से उभरते हुए औद्योगिक और निवेश हब के रूप में स्थापित हो रहा है। जीआईएस-2025 इस दिशा में एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा, जहां वैश्विक और राष्ट्रीय निवेशक राज्य की असीम संभावनाओं का लाभ उठा सकते हैं। दिल्ली में हुआ कर्टेन रेजर कार्यक्रम मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश मानचित्र पर एक नई ऊँचाई पर ले जाएगा। आइए, हम सभी मिलकर मध्यप्रदेश को निवेश और विकास का आदर्श केंद्र बनाएं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मध्यप्रदेश शासन

उद्योग फ्रेंडली नीतियों और नवाचार से मिलेगा निवेश को विस्तार

मध्यप्रदेश औद्योगिक निवेश और रणनीतिक नवाचार के वैश्विक केंद्र के रूप में आगे बढ़ रहा है। इस बार की ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट न सिर्फ अपनी भव्यता बल्कि गहरे रणनीतिक बदलावों और नए औद्योगिक विज़न से भी चर्चा में है। भोपाल, जो अब तक प्रशासनिक और सांस्कृतिक रूप से पहचाना जाता था, अब निवेश और व्यापार का नया ग्लोबल पॉइंट ऑफ इंटरेस्ट बनने जा रहा है। झीलों की नगरी भोपाल में पहली बार ग्लोबल इन्वेस्टर समिट होने जा रही है। भोपाल का आकर्षण और राज्य सरकार की सहज एवं पारदर्शी उद्योग फ्रेंडली नीतियां निवेशकों को आकर्षित कर रही हैं।

नवाचारों का केन्द्र बनेगा जीआईएस

इस वर्ष के ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को 'पॉलिसी-ड्रिवन इन्वेस्टमेंट समिट' का नया मॉडल दिया गया है। पहली बार, सरकार 20 से अधिक नीतियों को एकसाथ प्रस्तुत कर रही है, जिससे निवेशकों को हर सेक्टर के लिए स्पष्ट रणनीति और अवसर मिलेंगे। अब इन्वेस्टर्स को केवल संभावनाएँ नहीं, बल्कि सरकार की ठोस योजनाओं और तत्काल प्रभावी पॉलिसी सपोर्ट का भरोसा मिलेगा।

इस बार का GIS पारंपरिक कॉन्फ्रेंस से आगे बढ़कर 'फोकस्ड इन्वेस्टमेंट डिस्कशन' का मंच बनने जा रहा है। यानी, आईटी, टेक्सटाइल, फार्मा, ऑटोमोबाइल, ईवी, अक्षय ऊर्जा जैसे हर सेक्टर के लिए अलग सत्र होंगे, जहां इंडस्ट्री लीडर्स और सरकार के बीच प्रत्यक्ष संवाद और सेक्टर-केंद्रित समझौते होंगे। समिट में पहली बार 'इंडस्ट्रियल एक्सपो' और 'मेक इन एमपी' का संयोजन किया गया है, जहां प्रदेश की औद्योगिक ताकत, विनिर्माण क्षमता और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में उसकी स्थिति को प्रस्तुत किया जाएगा।

जीरो अपशिष्ट समिट

जीआईएस-2025 को 'जीरो अपशिष्ट' समिट बनाने की रणनीति तैयार हो चुकी है। समिट स्थल पर केवल इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग होगा, आयोजन स्थल 100त्न अक्षय ऊर्जा से संचालित होगा और पूरे समिट में पेपरलेस ऑपरेशंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-बेस्ड इंटरेक्शन और डिजिटल टेक्नोलॉजी का समावेश होगा।

औद्योगिक राजधानी के रूप में नई पहचान

भोपाल को पहली बार औद्योगिक राजधानी के रूप में नई पहचान मिलने जा रही है। यह आयोजन प्रदेश की नई इंडस्ट्रियल जर्नी की आधारशिला साबित होगा। समिट न केवल बड़े निवेशकों के लिए बल्कि माइक्रो, स्मॉल और मीडियम एंटरप्राइजेज (MSMEs) और स्टार्टअप्स के लिए भी एक बड़ा अवसर लेकर आ रही है। प्रदेश के स्थानीय उद्यमों को वैश्विक निवेशकों और तकनीकी साझेदारों के साथ जोड़ने की कार्ययोजना तैयार की गई है, जिससे इनका विस्तार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक होगा। राजधानी के चारों ओर फैले औद्योगिक क्षेत्रों—मंडीदीप, गोविंदपुरा, बागरोदा, पिलुखेड़ी और अन्य औद्योगिक हब को इस समिट से नए निवेश, नई टेक्नोलॉजी और ग्लोबल टाई-अप्स का फायदा मिलेगा। जीआईएस-2025 केवल निवेश ही नहीं, बल्कि युवाओं को रोजगार और स्किल डेवलपमेंट के अवसर देने वाला मंच भी साबित होगा। इस समिट में आईटी, मैन्युफैक्चरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, बायोटेक्नोलॉजी और अन्य क्षेत्रों में नई नौकरियों के अवसर पैदा करने वाले एमओयू पर हस्ताक्षर होंगे।

औद्योगिक क्रांति का केन्द्र

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश अब केवल 'संभावनाओं का प्रदेश' नहीं, बल्कि 'औद्योगिक क्रांति का अगला केंद्र' बन चुका है। GIS 2025 के मंच से प्रदेश की आर्थिक शक्ति, नीति-संवर्धित औद्योगिक मॉडल और वैश्विक निवेश के प्रति प्रतिबद्धता पूरी दुनिया के सामने प्रस्तुत होगी।

300 से अधिक तकनीकी शिक्षा संस्थान

मध्यप्रदेश की विशेषता है कि 300 से अधिक तकनीकी शिक्षा संस्थान सालाना 50 हजार से अधिक तकनीकी स्नातक तैयार करते हैं। आईआईटी इंदौर, आईआईएम इंदौर और आईआईआईटी ग्वालियर जैसे प्रतिष्ठित संस्थान अत्यधिक कुशल युवाओं को गढ़ते हैं। भोपाल में ग्लोबल स्किल पार्क उद्योग के लिए कौशल संपन्न पेशेवर तैयार करता है।

प्रगतिशील नीतियां

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश की प्रगतिशील नीतियां और इनोवेशन को बढ़ावा देने और तकनीक के क्षेत्र में विश्वस्तरीय दिग्गज कंपनियों को आकर्षित करने के लिए डिज़ाइन की गई हैं। मध्यप्रदेश का मजबूत पॉलिसी-स्ट्रक्चर प्रौद्योगिकी संचालित विकास के लिए अनुकूल वातावरण बनाने में राज्य की प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जिसमें आईटी, आईटीईएस और ईएसडीएम निवेश संवर्धन नीति 2023, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स पॉलिसी 2025, एवीजीसी-एक्सआर पॉलिसी 2025, ड्रोन संवर्धन और उपयोग नीति 2025 और सेमीकंडक्टर नीति 2025 शामिल हैं। ये नीतियां टेक इंफ्रास्ट्रक्चर के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए कई तरह के प्रोत्साहन और सहायता प्रदान करती हैं।

आईटी और प्रौद्योगिकी में मध्यप्रदेश करेगा डिजिटल भविष्य का निर्माण

जीआईएस से खुलेंगे प्रगति के नए द्वार- परिवर्तनकारी निवेशों की लहर

आईटी और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में मध्यप्रदेश देश में सबसे तेजी से आगे बढ़ता हुआ राज्य बनने की ओर अग्रसर है, जिसे ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से नई ऊर्जा मिलेगी। इस सेक्टर के लिए समिट में अलग से सत्र आयोजित होगा। मध्यप्रदेश में 15 से अधिक आईटी पार्क और 5 आईटी एसईजेड हैं, जिनमें इंदौर में क्रिस्टल आईटी पार्क और इंफोसिस जैसे प्रमुख सेंटर शामिल हैं। ये पार्क विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर से युक्त हैं, जो टीसीएस, इंफोसिस और एक्सेंचर जैसी प्रमुख कंपनियों को आकर्षित करते हैं। नॉलेज सिटी और इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर 2.0 जैसी आगामी परियोजनाएं, इस इको सिस्टम को और मजबूत करने के लिए तैयार हैं। परिवर्तन के दौर से गुजर रहे देश के तकनीकी इको सिस्टम के विकास के अगले केन्द्र टीयर-2 शहर हैं, जो टेक इनोवेशन और निवेश के नए हॉटस्पॉट बनते जा रहे हैं। इसकी वजह है यहां कम परिचालन लागत, उच्च जीवन स्तर और कुशल प्रतिभा पूल की उपलब्धता। टीयर-2 शहर अब तकनीकी कंपनियों की पसंद बनते जा रहे हैं। खास बात है कि मध्यप्रदेश इंफ्रास्ट्रक्चर, टेलेंट और लागत-दक्षता प्रदान करने वाला अग्रणी राज्य है।
मध्यप्रदेश का व्यापक आईटी, आईटीईएस और सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। विश्व स्तरीय आईटी पार्क, नॉलेज और सॉफ्टवेयर हब के साथ सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर विकसित करने से निश्चित रूप से मध्यप्रदेश तकनीकी क्रांति की अगली लहर का नेतृत्व करेगा।

टेलेंट और इनोवेशन को बढ़ावा

प्रदेश सरकार के फोकस में उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ टेलेंट और इनोवेशन को बढ़ाते हुए आईटी पार्क, सॉफ्टवेयर हब और सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग में महत्वपूर्ण निवेश हैं। अग्रणी तकनीकी हब बनने की दृष्टि के साथ मध्यप्रदेश डिजिटल भविष्य को शक्ति प्रदान करने के रास्ते पर अग्रसर है। आईटी, आईटीईएस और ईएसडीएम निवेश संवर्धन नीति 2023 इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास पर केंद्रित है, जो कैपेक्स, भूमि, ब्याज छूट, मार्केटिंग और पेटेंट सहायता आदि प्रदान करती है। दूसरी ओर ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स पॉलिसी 2025 वैश्विक तकनीकी केंद्रों को आकर्षित करने के लिए डिज़ाइन की गई है, जो कैपेक्स, पेरोल और अपस्किलिंग के लिए सब्सिडी, आरएंडडी को सपोर्ट करती है। इसी तरह एवीजीसी-एक्सआर पॉलिसी-2025 एवीजीसी सेक्टर को सपोर्ट करते हुए इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण, उत्पादन संबंधी वित्तीय सहायता, उद्योग सहयोग और एवीजीसी-एक्सआर लैब की स्थापना आदि के लिए सहयोगी है। इसके अलावा ड्रोन संवर्धन और उपयोग नीति 2025 ड्रोन निर्माताओं और सेवा प्रदाताओं के लिए कैपेक्स सहायता, ड्रोन पाठ्यक्रमों के लिए प्रोत्साहन और अनुसंधान एवं विकास में सहयोग के साथ ड्रोन अपनाने को बढ़ावा देती है।

परिवर्तनकारी निवेशों की लहर

मध्यप्रदेश ने परिवर्तनकारी निवेशों की एक लहर देखी है, जो भारत के अगले बड़े तकनीकी केन्द्र के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करता है। इंदौर में एलटीआई माइंडट्री का 870 करोड़ रुपये का तकनीकी परिसर 10 हजार से ज्यादा नौकरियां प्रदान करेगा, जो आईटी सेवाओं और डिजिटल परिवर्तन परियोजनाओं में मध्यप्रदेश की भूमिका को मजबूत करेगा। रैकबैंक का डेटा सेंटर विस्तार में 644 करोड़ रुपये का निवेश मध्यप्रदेश के डिजिटल बुनियादी ढांचे और क्लाउड सेवाओं को मजबूत कर रहा है। हेक्सावेयर टेक्नोलॉजीज और कॉग्निजेंट क्रमश: 50 करोड़ रुपये और 80 करोड़ रुपये के निवेश के साथ अपनी उपस्थिति का और विस्तार कर रहे हैं। ये परियोजनाएं साल 2024 में हासिल किए गए 2,500 करोड़ रुपये के प्रौद्योगिकी निवेश के साथ मध्यप्रदेश को पारंपरिक आईटी केंद्रों के समक्ष एक बेहतर और सक्षम विकल्प बनाती हैं।

देश की डिजिटल क्रांति के साथ तालमेल

मध्यप्रदेश न केवल देश की डिजिटल क्रांति के साथ तालमेल बना रहा है, बल्कि यह इसका नेतृत्व भी कर रहा है। एआई, साइबर सुरक्षा, एवीजीसी-एक्सआर और ड्रोन में राज्य का विजन इनोवेशन और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता की अगली लहर के लिए आधार तैयार कर रहा है। एआई और साइबर सुरक्षा में उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) की स्थापना, आगामी एवीजीसी, मीडिया पार्क और इनक्यूबेशन हब के साथ, अत्याधुनिक अनुसंधान और उद्योग सहयोग के लिए मध्यप्रदेश प्रतिबद्ध है। प्रगतिशील नीति ढांचे, विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे और प्रचुर प्रतिभा पूल के साथ मध्यप्रदेश भारत का अगला प्रमुख टेक पॉवरहाउस बनने के रास्ते पर अग्रसर है।

भविष्य के लिए तैयार बुनियादी ढांचा

प्रदेश में निर्बाध परिवहन नेटवर्क है। इससे निवेशकों को हर तरह की सुविधा मिलेगी। प्रदेश में 5 लाख किलोमीटर सड़क नेटवर्क, 46 राष्ट्रीय राजमार्ग, 20 प्रमुख रेलवे जंक्शन और 6 क्रियाशील हवाई अड्डे हैं। उन्नत व्यापार और कनेक्टिविटी के लिए इंदौर और जबलपुर में आगामी मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क भी प्रस्तावित है।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 - शहरी विकास पर भी होगा विशेष फोकस

झीलों की नगरी भोपाल में निवेश का महाकुंभ
झीलों की नगरी भोपाल में निवेश के महाकुंभ ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में शहरी विकास के क्षेत्र पर विशेष फोकस किया जा रहा है। स्मार्ट सिटी, मजबूत बुनियादी ढांचा, निर्बाध विकास के चलते मध्यप्रदेश भारत के शहरी परिवर्तन में अग्रणी राज्य है, जो रणनीतिक निवेश, सतत विकास और अत्याधुनिक डिजिटल गवर्नेंस का संयोजन कर रहा है। प्रदेश में 72 हजार करोड़ रुपए की चल रही शहरी परियोजनाओं और 88 हजार करोड़ रुपए की आगे आने वाली परियोजनाओं के साथ राज्य तेजी से अपने बुनियादी ढांचे, आवास और स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स का विस्तार कर रहा है। सात स्मार्ट सिटी, विश्व स्तरीय कनेक्टिविटी और प्रगतिशील शहरी नीतियों के साथ मध्यप्रदेश निवेशकों और डेवलपर्स के लिए बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदान करने की स्थिति में है।प्रदेश में शहरी विकास की योजनाओं में अधिक से अधिक निवेश को प्रोत्साहित करने का संकल्प लिया गया है। प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में नागरिकों को सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इन योजनाओं के जरिये रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

प्रदेश में 7 स्मार्ट सिटी

शहरी विकास में मध्यप्रदेश निवेशकों को आकर्षित कर रहा है, इसकी बड़ी वजह है 40 लाख से अधिक आबादी वाले शहर, 7 स्मार्ट सिटी और 72 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाएं, साथ ही पाइपलाइन में 88 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाएं। प्रदेश में 8.32 लाख घरों का निर्माण पूरा हुआ है, वहीं 50 हजार करोड़ रुपए से 10 लाख नए आवासों की योजना प्रस्तावित है। शहरी विकास के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहे मध्यप्रदेश के शहरी क्षेत्रों में 80 प्रतिशत पाइप जलापूर्ति का लक्ष्य हासिल किया जा चुका है, जिसे वर्ष 2027 तक 100 प्रतिशत पूरा किया जाएगा। प्रदेश में 6000 किलोमीटर शहरी सड़कें गतिशीलता और बेहतर कनेक्टिविटी को बढ़ाती हैं। प्रदेश में वर्ष 2030 तक 100 प्रतिशत सीवर कवरेज कर लिया जाएगा। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला मध्यप्रदेश स्वच्छ भारत सर्वेक्षण 2023 में शीर्ष 2 राज्यों में रहा है। इंदौर ने लगातार सातवीं बार देश के सबसे स्वच्छ शहर होने का गौरव प्राप्त किया है। भोपाल देश की सबसे स्वच्छ राजधानी और सर्वेक्षण में पांचवें स्थान पर रहा है।

ड्रोन नीति की कृषि के क्षेत्र में होगी महत्वपूर्ण भूमिका

भोपाल में 24 एवं 25 फरवरी को आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका होगी। मध्यप्रदेश की अर्थ-व्यवस्था में कृषि आधारित उद्योगों की अहम भूमिका है। कृषि के क्षेत्र में किए गए निवेश से प्रदेश की अर्थ-व्यवस्था को मजबूती मिलेगी।राज्य सरकार ने ड्रोन क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने के लिये मध्यप्रदेश ड्रोन संवर्धन एवं उपयोग नीति-2025 को स्वीकृति दे दी है। इसमें ड्रोन के सुरक्षित और कुशलतम उपयोग के माध्यम से नवाचार, आर्थिक समृद्धि और रोजगार को बढ़ावा देने वाले विषयों एवं तथ्यों को शामिल किया गया है।ड्रोन से फसल की सेहत की निगरानी, रोगों का पता लगाने और फसल की पैदावार का मूल्यांकन करने में सहायता मिल रही है। ड्रोन उर्वरक और कीटनाशक का छिड़काव सटीकता से कर सकते हैं, जिससे अपशिष्ट और नकारात्मक पर्यावरणीय प्रभाव कम होगा। वे उन क्षेत्रों की पहचान कर सकते हैं जिन्हें अधिक या कम पानी की आवश्यकता है। सिंचाई के तरीकों का बेहतर उपयोग करने में ड्रोन मदद करता है। नक्शा कार्यक्रम से शहरी क्षेत्रों में ड्रोन के माध्यम से सर्वे कराकर भूमि अभिलेखों का निर्माण और आधुनिकीकरण किया जाएगा, जिससे भूमि स्वामित्व की पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित होगी।मध्यप्रदेश में औद्योगिक निवेश के लिये बेहतर एवं अनुकूल वातावरण है। यहां पर्याप्त संसाधन और सुविधाएं भी हैं। प्रदेश सरकार द्वारा अनेक उद्योग मित्र नीतियां बनाकर उनका क्रियान्वयन प्रारंभ किया गया है। इन नीतियों से औद्योगिक क्षेत्र की हर समस्या का समाधान होगा, औद्योगिक निवेश को बढ़ावा मिलेगा। औद्योगिक क्षेत्र में नई सुविधाएं, सब्सिडी और अनेक तरह की छूटें भी मिलेंगी। राज्य सरकार द्वारा उद्योगों को बढ़ावा देने के लिये अनेक नई नीतियों को मंजूरी दी गई है।

D-19313/24

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

ऑटोमोबाइल में क्रांति का नया केंद्र बन कर उभर रहा है मध्यप्रदेश

भोपाल। भारत में औद्योगिक भविष्य की रूपरेखा अब मध्यप्रदेश से तय हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य न केवल आदर्श निवेश स्थल बन कर उभर रहा है बल्कि ऑटोमोबाइल और ईवी इंडस्ट्री के एडवांस इरा की नई परिभाषा लिख रहा है। डेट्रॉयट जिस तरह 20वीं सदी में ऑटोमोबाइल क्रांति का केंद्र बना था, उसी तरह 21वीं सदी में मध्यप्रदेश ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में भारत का फ्यूचर हब बनकर उभर रहा है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (त्रङ्कस–2025) इस बदलाव का एक ऐतिहासिक मंच बनेगा, जहां दुनिया की सबसे बड़ी ऑटोमोबाइल और ईवी कंपनियां मध्यप्रदेश के औद्योगिक भविष्य को आकार देने के लिए आगे आएंगी। यह सिर्फ निवेश आकर्षित करने का अवसर नहीं, बल्कि भारत में ऑटोमोबाइल टेक्नोलॉजी और ई–मोबिलिटी को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का मंच है। भारत में ऑटोमोबाइल क्रांति की चर्चा अब पारंपरिक हब्स तक सीमित नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश की उद्योग अनुकूल नीतियों और विश्वस्तरीय लॉजिस्टिक्स नेटवर्क तक पहुंच चुकी है।

अनमोल आरसीएच पोर्टल के नवीन संस्करण 2.0 का प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

भोपाल। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा विकसित अनमोल आरसीएच पोर्टल के नवीन संस्करण 2.0 को लागू करने हेतु जिलों के प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम भोपाल में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के प्रथम चरण में 138 प्रशिक्षकों को नवीन अनमोल मोबाइल एप्लिकेशन एवं वेबपोर्टल के उपयोग की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में एमडी एनएचएम डॉ. सलोनी सिडाना ने कहा कि अनमोल ऐप के विधिवत उपयोग से बेहतर मॉनिटरिंग सुनिश्चित होगी। जिससे गर्भवती महिलाओं, प्रसूताओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य का बेहतर प्रबंधन होगा। अनमोल आरसीएच पोर्टल एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जो गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं और प्रसूताओं को दी जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की ट्रैकिंग और प्रबंधन को सरल बनाता है। नवीन संस्करण में गर्भवती महिलाओं के पंजीकरण, हाई–रिस्क गर्भावस्था की पहचान, प्रसव संबंधी रिकॉर्ड, नवजात एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की एंट्री की प्रक्रिया को अधिक सुगम बनाया गया है। इससे जिले और राज्य स्तर पर इन सेवाओं की प्रभावी निगरानी की जा सकेगी।

पश्चिम क्षेत्र विद्युत कंपनी के सभी जिला मुख्यालयों पर स्मार्ट मीटर स्थापना

भोपाल। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा पंद्रहवें जिला मुख्यालय बुरहानपुर में भी अत्याधुनिक स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य विधिवत प्रारंभ कर दिया गया है। यहां एक हजार स्मार्ट मीटर स्थापित कर दिए गए हैं। इससे पहले इंदौर, उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर, रतलाम, मंदसौर, नीमच, खरगोन, खंडवा, बड़वानी, आलीराजपुर, झाबुआ, धार में स्मार्ट मीटर स्थापित करने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया था। कंपनी के झाबुआ और खरगोन जिला मुख्यालय शत प्रतिशत स्मार्ट मीटर वाले शहर घोषित कर दिए गए हैं। कंपनी क्षेत्र में सबसे ज्यादा स्मार्ट मीटर इंदौर शहर में 4.75 लाख स्थापित कर दिए गए हैं। वहीं कंपनी क्षेत्र के 45 नगरीय निकायों में अब तक 10 लाख 50 हजार से ज्यादा स्मार्ट मीटर स्थापित कर दिए गए हैं। प्रतिदिन स्मार्ट मीटरीकरण का कार्य जारी हैं।

जीआईएस-2025, भोपाल में होगा वैश्विक निवेशकों का महासंगम

भोपाल। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट–2025 को लेकर तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं और विशिष्ट मेहमानों की सूची भी लगभग फाइनल हो चुकी है। राज्य सरकार ने प्रदेश में मौजूद अपार संभावनाओं से परिचित कराने के लिए करीब 60 देशों से उद्यमियों को आमंत्रित किया है। इसमें 13 राजदूतों, 6 उच्चायुक्तों और प्रमुख रणनीतिक देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले कई महावाणिज्यदूतों की भागीदारी भी सुनिश्चित हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के रीजनल इंडस्ट्री कॉनक्लेव की अनूठी पहल देश के महानगरों में उद्योगपतियों के साथ मीटिंग और यूके, जर्मनी और जापान में निवेशकों को आकर्षित करने रोड–शो के आयोजन ने न सिर्फ क्षेत्रीय उद्योगों को एक सुदृढ़ प्लेटफार्म दिया है बल्कि अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों ने प्रदेश में निवेश की रुचि दिखाई है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में राजनयिक कोर की भागीदारी का नेतृत्व जर्मनी, जापान, स्विट्जरलैंड और मलेशिया के महावाणिज्यदूतों सहित मिशनों के प्रमुखों द्वारा किया जा रहा है। इसमें यूनाइटेड किंगडम, पोलैंड, नीदरलैंड और कनाडा के वरिष्ठ राजनयिक प्रतिनिधि भी शामिल हैं।

मुख्य सचिव जैन ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को लेकर बुलाई बैठक, की समीक्षा

परीक्षाओं में अवरोध न उत्पन्न होने देने के दिये निर्देश

भोपाल। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने भोपाल में आयोजित होने जा रही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कलेक्टर भोपाल एवं पुलिस–कमिश्नर को निर्देशित किया कि जीआईएस के दौरान होने वाली परीक्षाओं में कोई अवरोध नहीं हो। इसका विशेष ध्यान रखा जाये, कोई भी विद्यार्थी परीक्षा केंद्र तक जाने से वंचित न रह जाये। मुख्य सचिव जैन ने यातायात व्यवस्था, पार्किंग, ई–बस, ई–कार्ड, बैठक व्यवस्था, होटल, स्वास्थ्य, मेहमानों के भोजन, आकस्मिक प्लान, प्रधानमंत्री की आगमन–प्रस्थान व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त कर निर्देशित किया कि सभी अधिकारी अपने दायित्वों को समझकर निर्वहन करें। टीम वर्क के साथ कार्य करें जिससे प्रदेश के आर्थिक विकास में वृद्धि हो सके।

बैठक में स्वास्थ्य, नवकरणीय ऊर्जा, नगरीय प्रशासन, कौशल विकास, उद्यानिकी, खनिज साधन, पर्यटन एवं एमएसएमई विभागों ने प्रेजेंटेशन देकर अपनी तैयारियों की जानकारी दी। बैठक में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, अशोक बर्णवाल, मनु श्रीवास्तव, अनुपम राजन, प्रमुख सचिव संजय शुक्ल, उमाकांत उमराव, राघवेन्द्र सिंह सचिव, सुदाम पी. खाड़े, एम. रघुराज कलेक्टर भोपाल एवं पुलिस कमिश्नर उपस्थित थे।

पश्चिम क्षेत्र विद्युत कंपनी के सभी जिला मुख्यालयों पर स्मार्ट मीटर स्थापना

भोपाल। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा पंद्रहवें जिला मुख्यालय बुरहानपुर में भी अत्याधुनिक स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य विधिवत प्रारंभ कर दिया गया है। यहां एक हजार स्मार्ट मीटर स्थापित कर दिए गए हैं। इससे पहले इंदौर, उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर, रतलाम, मंदसौर, नीमच, खरगोन, खंडवा, बड़वानी, आलीराजपुर, झाबुआ, धार में स्मार्ट मीटर स्थापित करने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया था। कंपनी के झाबुआ और खरगोन जिला मुख्यालय शत प्रतिशत स्मार्ट मीटर वाले शहर घोषित कर दिए गए हैं। कंपनी क्षेत्र में सबसे ज्यादा स्मार्ट मीटर इंदौर शहर में 4.75 लाख स्थापित कर दिए गए हैं। वहीं कंपनी क्षेत्र के 45 नगरीय निकायों में अब तक 10 लाख 50 हजार से ज्यादा स्मार्ट मीटर स्थापित कर दिए गए हैं। प्रतिदिन स्मार्ट मीटरीकरण का कार्य जारी हैं।

24 घंटे 9 मिनट 26 सेकंड तक 139 नृत्य कलाकारों ने वृहद शास्त्रीय नृत्य मैराथन से बनाया गिनीज रिकॉर्ड

भोपाल। ईश्वर की साधना को समर्पित वृहद शास्त्रीय नृत्य मैराथन गिनीज विश्व रिकॉर्ड से नृत्य साधकों का मान बढ़ेगा। यह देश की संस्कृति और नृत्यसाधकों के लिए गौरव का क्षण है। सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और विश्व पटल पर अंकित करने का यह सर्वोत्तम साधन है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव खजुराहो में 51वें खजुराहो नृत्य समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि गिनीज विश्व रिकॉर्ड से पूरा विश्व भारत की विविध और समृद्ध संस्कृति से प्रकाशमान होगा। 24 घंटे 9 मिनट 26 सेकंड तक 139 नृत्य कलाकारों की अविरल और साधना से बना विश्व रिकॉर्ड न सिर्फ कला साधकों का हौसला बढ़ाएगा बल्कि शासन के संस्कृति और विरासत को सहेजने के प्रयासों को भी गति देगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुंदेलखंड की धरती पावन और पवित्र है। बुंदेलखंड की धरती पर पत्थर भी चमकता है तो हीरा कहलाता है। मनुष्य चमकता है तो बुंदेला कहलाता है। वैसे ही बुंदेलखंड में नृत्य होता है तो वह अंतर्राष्ट्रीय खजुराहो नृत्य समारोह कहलाता है। डॉ. यादव ने कहा कि शास्त्रीय नृत्यों का सृजन भगवान की साधना के लिए किया गया है। जैसे कथकली में भगवान श्रीकृष्ण की रासलीला, जीवन और गतिविधियों को दिखाया जाता है। वहीं, भगवान नटराज ने तांडव नृत्य और आनंद नृत्य का सृजन किया है।

ग्वालियर को हर दृष्टिकोण से आदर्श शहर बनायेंगे: तोमर

भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने ग्वालियर शहर के वार्ड–33 के अंतर्गत लक्ष्मण तलैया जीर्णोद्धार कार्य व सीसी रोड निर्माण सहित अन्य विकास कार्यों का भूमि–पूजन किया। यह कार्य एक करोड 51 लाख रूपये की लागत से होने जा रहे हैं। मंत्री तोमर ने कहा कि उपनगर ग्वालियर में विकास के नये नये आयाम लिखे जा रहे हैं।

इसी क्रम में लक्ष्मण तलैया जैसे ऐतिहासिक स्थल का जीर्णोद्धार होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है, ग्वालियर हर दृष्टिकोण से एक आदर्श शहर बने, जहां हर नागरिक को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हों।

मंत्री तोमर ने कहा कि लक्ष्मण तलैया के जीर्णोद्धार के साथ–साथ यहाँ पर एलईडी लाइट, वाटर फाउंटेन, बेंच, शौचालय, बच्चों के खेलने के लिए ग्रांउड आदि कार्य कराये जाएगें। सरकार का प्रयास है कि लक्ष्मण तलैया एक टूरिस्ट प्लेस बने और पर्यटक लक्ष्मण तलैया को देखने आएं।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जीर्णोद्धार के साथ ही इसके रखरखाव की जिम्मेदारी भी तय की जाए। मंत्री तोमर ने कहा कि ग्वालियर का वैभव पुराने स्वरूप में दिखे। इसी उद्देश्य से सरकार द्वारा एतिहासिक स्थलों को संवारने का कार्य किया जा रहा है।

निरोगी काया अभियान 2025 का हुआ शुभारंभ

31 मार्च तक 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों की मधुमेह, उच्च रक्तचाप और अन्य गैर-संचारी रोगों की निःशुल्क की जाएगी जाँच

भोपाल। मध्यप्रदेश में 'निरोगी काया अभियान' 20 फरवरी से 31 मार्च तक संचालित किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित इस अभियान के तहत प्रदेशभर में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिकों तथा अन्य स्वास्थ्य संस्थानों में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाए जा रहे हैं। अभियान में 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों की मधुमेह, उच्च रक्तचाप और अन्य गैर–संचारी रोगों की निःशुल्क जाँच की जायेगी।

अभियान का मुख्य उद्देश्य मधुमेह, उच्च रक्तचाप और अन्य गैर–संचारी रोगों की समय पर पहचान और निःशुल्क उपचार सुनिश्चित करना है। ये बीमारियाँ प्रारंभिक अवस्था में बिना लक्षणों के होती हैं, लेकिन आगे चलकर हृदय रोग, लकवा, किडनी व लीवर की बीमारियों का कारण बन सकती हैं। इसलिए इस अभियान के तहत व्यापक स्तर पर स्वास्थ्य जांच, रोग की शीघ्र पहचान और सरकारी अस्पतालों में निःशुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

इस अभियान का विशेष लाभ जनजातीय एवं वनवासी समुदायों को मिलेगा। इन्हें रोगों की रोकथाम, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और नशे से बचाव के लिए जागरूक किया जा रहा है, ताकि वे स्वस्थ जीवनशैली अपना सकें।

सहकारिता मंत्री सारंग को स्कॉच अवॉर्ड सौंपा

मार्कफेड को उनके फर्टिलाइजर सप्लाई चैन आईएफएसएस को प्रतिष्ठित स्कॉच अवॉर्ड

भोपाल। सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग को गुरुवार को मंत्रालय में प्रबंध संचालक विपणन संघ आलोक कुमार सिंह ने नई दिल्ली में प्राप्त 'स्कॉच'' अवॉर्ड सौंपा। नई दिल्ली के इण्डिया हेबिटेड सेंटर में आयोजित 100वें राष्ट्रीय स्कॉच समिट में मध्यप्रदेश के सहकारिता विभाग के राज्य सहकारी विपणन संघ (मार्कफेड) को उनके फर्टिलाइजर सप्लाई चैन ऑटोमेशन प्रोजेक्ट आईएफएसएस को प्रतिष्ठित स्कॉच अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

प्रबंध संचालक विपणन संघ सिंह की ओर से आईएफएसएस प्रोजेक्ट हेड श्रीमती मंदिरा लोध एवं प्रोजेक्ट मैनेजर नितेन्द्र सिंह द्वारा अवॉर्ड ग्रहण किया गया। मंत्री सारंग द्वारा खाद वितरण व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिये सूचना प्रौद्योगिकी तकनीक का उपयोग कर उर्वरक वितरण प्रणाली को सुव्यवस्थित करने के निर्देश उर्वरक वितरण की नोडल एजेंसी विपणन संघ को दिये गये थे। मंत्री सारंग के नेतृत्व में विपणन संघ की आईटी टीम द्वारा आईएफएसएस एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर का इनहाउस विकास किया गया। इस एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर में उर्वरक सप्लाई चैन के 6 हजार से अधिक हितधारक (सभी फर्टिलाइजर कम्पनियाँ, मार्कफेड, अपेक्स बैंक एवं उनकी 900 से अधिक ब्रांच तथा 4500 से अधिक पीएसीएस) आईएफएसएस एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर के सिंगल प्लेटफार्म पर कार्य कर रहे हैं।

प्रदेश में लगभग 60 लाख मीट्रिक टन से अधिक उर्वरक की आवक से लेकर प्राथमिक सहकारी समितियों के माध्यम से कृषकों तक उर्वरक आपूर्ति की रियल टाइम पर केन्द्रीकृत मॉनीटरिंग की जा रही है। इसका उपयोग कृषि एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों तथा सभी जिला कलेक्टर द्वारा इस एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर से किया जा रहा है।

भेड़ चराने वाले निकले स्मगलर, दो लाख की अफीम के साथ दो राजस्थानी तस्कर गिरफ्तार

शिवपुरी। शिवपुरी के देहात थाना पुलिस ने दो अफीम तस्करों को गिरफ्तार किया है, जो भेड़ चराने के बहाने अफीम तस्करी में लिप्त थे। पुलिस ने उनके पास से 2 लाख रुपये मूल्य की 1 किलो अफीम बरामद की है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान कालूराम पुत्र कानाराम रईका (उम्र 45 वर्ष) और कोजाराम पुत्र स्व. गूदडराम उर्फ गिरधारी रईका (उम्र 62 वर्ष), निवासी राइकों का बास वस्सी, पाली, राजस्थान के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

भेड़ पालक बनकर करते थे तस्करी

शिवपुरी के देहात थाना प्रभारी रत्नेश यादव ने बताया कि आरोपी राजस्थान से आकर शिवपुरी जिले के ग्रामीण इलाकों में अफीम तस्करी करते थे। वे भेड़ पालक बनकर घूमते थे ताकि उन पर शक न हो। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने पिपरसमां अनाज मंडी के पास कच्चे रास्ते पर घेराबंदी कर उन्हें पकड़ा।

राजस्थान से लगी सीमा होने के कारण तस्करी में आसानी

शिवपुरी जिले की सीमा राजस्थान से लगती है, जिससे यहां नशा तस्करों के लिए तस्करी करना आसान हो जाता है। राजस्थान से आने वाले तस्कर यहां अफीम, स्मैक और अन्य नशे की सामग्री बेचते हैं। पुलिस की जानकारी के अनुसार, ये तस्कर ग्रामीण इलाकों में नशे की सामग्री खपाते थे।

पूछताछ में जुटी पुलिस

दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वे अफीम राजस्थान के किस इलाके से लाते थे और कहां–कहां सप्लाई करते थे। पुलिस उनके अन्य साथियों का भी पता लगाने की कोशिश कर रही है ताकि इस गिरोह का पर्दाफाश किया जा सके।

पहली बार भोपाल पहुंचे कांग्रेस प्रदेश प्रभारी चौधरी

बोले- मिशन एमपी पर करूंगा काम, राजनीतिक समझ शून्य

भोपाल। हालही में मध्य प्रदेश कांग्रेस प्रदेश के प्रभारी बनाए गए हरीश चौधरी गुरुवार को पहली बार भोपाल पहुंचे। एयरपोर्ट पर कांग्रेस के नेताओं, कार्यकर्ताओं ने चौधरी का स्वागत किया। एयरपोर्ट से पीसीसी तक जगह–जगह नेताओं ने अलग–अलग स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मैं शून्य समझ के साथ आया हूं।

यहां पर सहयोगी की भूमिका में रहकर मिशन मध्य प्रदेश पर काम करूंगा। मेरी राजनीतिक समझ शून्य है। हरीश चौधरी प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में कार्यकर्ताओं से मिले। चौधरी ने पीसीसी में कांग्रेस के विधायकों, पूर्व विधायकों और पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, जयवर्धन सिंह, विभा पटेल सहित कई विधायक, पूर्व विधायक और जिलाध्यक्ष मौजूद रहें।

अनुशासन हमारी पहली प्राथमिकता

हरीश चौधरी मीडिया से बात करते हुए कहा कि मैं अपने आप को छात्र स्वीकार करता हूं। मैंने कांग्रेस पार्टी से पद या टिकट नहीं मांगी। कांग्रेस पार्टी जो तय करेगी, उसका अनुसरण करूंगा। मैं नेहरू वादी हूं। मेरे शब्द में समझ में कोई अंतर नहीं है। वहीं राजस्थान के जाट और राजपूत में सांमजस्य है। बीजेपी की कोशिश रहती है कि, कांग्रेस को खंड–खंड में करे, लेकिन असल में ऐसा नहीं है। अनुशासन हमारी पहली प्राथमिकता है। वहीं 25 को धार आ रहे हैं।

जुबान पर रखें कंट्रोल

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने बैठक में कहा कि मीडिया हमारा नहीं हैं, इसलिए सबको जुबान पर ध्यान की जरूरत है। हमारी पार्टी लाइन दिल्ली से होती है। उसी के आधार पर हम लोग चलें, जुबान पर कंट्रोल करें। जिला स्तर के नेता यदि बयान देते हैं तो उसे प्रदेश स्तर पर कैसे प्रमुखता से चलवाया जाए, बीजेपी की यह कोशिश होती है। पटवारी ने कहा अभी मैं अमरकंटक गया था, वहां नर्मदा जी के उद्गम स्थल के पास एक हाथी की मूर्ति है, उसके नीचे से श्रद्धालु निकलते हैं। लेकिन, नेता लोग नहीं निकलते। मैं उस हाथी के नीचे से निकला। बाद में मैंने अपना वीडियो देखा, तब मेरे मन में ये विचार आया कि यदि हाथी के नीचे फंस जाता तो क्या होता। लेकिन, फिर मैंने सोचा कि मुझे विश्वास था कि, मैं इस हाथी के नीचे निकल जाऊंगा और निकलकर आया। ऐसे ही सबको कोई भी काम करने से पहले पार्टी पर क्या असर होगा, यह सोचना चाहिए।

पीएम मोदी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में डेढ़ घंटे रहेंगे, अदाणी, कुमारमंगलम बिड़ला भी रहेंगे मौजूद

भोपाल। राजधानी भोपाल के राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में 24 फरवरी से ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट (जीआईएस) का आयोजन होने जा रहा है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे। प्रधानमंत्री समिट में डेढ़ घंटे रुकेंगे। इसके पहले प्रधानमंत्री रात्रि विश्राम राजभवन में करेंगे। जीआईएस में उद्योगपति गौतम अदाणी और कुमारमंगलम बिड़ला भी मौजूद रहेंगे। प्रधानमंत्री राजभवन से इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय (जीआईएस स्थल) तक जाएंगे, इस दौरान वे पॉलिटेक्निक स्क्वायर और बोट क्लब से होकर गुजरेंगे। प्रधानमंत्री मोदी के आगमन पर उन्हें मध्य प्रदेश की औद्योगिक प्रगति पर केंद्रित एक लघु फिल्म दिखाई जाएगी। इसके अलावा, प्रधानमंत्री, मध्य प्रदेश एक्सपीरियंस जोन का भी दौरा करेंगे, जहां मध्य प्रदेश की विरासत और विभिन्न उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वोल मॉडल प्रदर्शित किए जाएंगे। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कई बड़े उद्योगपति और निवेशकों ने अपनी सहमति दे दी है।